दैनिक
नवनीत एक्सप्रेस
भोपाल, ग्वालियर, झांसी एव शिवपुरी से एक साथ प्रकाशित
RNI-MPHIN/2016/71355
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, झाँसी (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश) से एक साथ प्रकाशित
संपादकः महेन्द्र तिवारी
न डरते है न डराते है, सच उजागर करते हैं
वर्ष : 10 अंक: 250 | भोपाल,शनिवार 28 जून 2025 | navneetexpress33@gmail.com | पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा में हुए शामिल

उज्जैन गोपाल मंदिर में की आरती

भोपाल एजेंसी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन में खाती समाज और इस्कॉन के द्वारा प्रतिवर्ष निकाले जाने वाली रथ यात्रा में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोपाल मंदिर पहुंचकर रथ यात्रा में सहभागिता की और भगवान की आरती की। इस दौरान जय जगन्नाथ का जयघोष किया। मुख्यमंत्री ने कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में बनाई गई गुंडिचा नगरी पहुंचकर भगवान श्री जगन्नाथ के विगृह को अपने कंधे पर उठाकर उनकी स्थापना की। मुख्यमंत्री ने भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान श्री बलराम और देवी सुभद्रा की आरती भी की।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूरे विश्व में उडीसा में निकाली गई भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा का प्रसारण किया गया है। उज्जैन में भी काफी वर्षों से यह यात्रा निकाली जा रही है। यह हम सबके लिए अत्यंत सौभाग्य की बात है। उडीसा में स्थित भगवान जगन्नाथ जी का धाम चार धाम में से प्रमुख धाम है। उज्जैन के राजा इंद्रद्युम्न ने उडीसा में वर्तमान में स्थित मंदिर का निर्माण करवाया था।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की यात्रा का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। आज भी यात्रा के माध्यम से हमें उन अवस्मिरणीय पलों की स्मृति होती है। खाती समाज के द्वारा निकाली जाने वाली यात्रा में दूर-दूर से श्रद्धलु और समाज जन शामिल होते है, जो हम सब की जीवटता का प्रमाण है। मध्यप्रदेश सरकार के द्वारा इस्कॉन के माध्यम से निकाली जाने वाली जगन्नाथ यात्रा में विक्रमादित्य शोध पीठ को भी जोडा गया है, जिससे भगवान जगन्नाथ की अन्य लीलाओं और कथाओं की जानकारी भी आमजन को प्राप्त हो सके।

भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलराम और देवी सुभद्रा की बहुत सारी गाथाएं यात्रा से जुडी हुई हैं। इन सभी कथाओं का निचोड़ यह है कि भगवान के प्रति हम सभी अपने शुध्द कर्मों के आधार पर प्रेम अर्पित करें और उनकी भक्ती करें। परमात्मा की हम सबके उपर कृपा बनी रहे और उनके प्रेम की वर्षा हम सब पर होती रहे बस यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने उज्जैन से ही शिक्षा ग्रहण की थी और विश्व गुरु बने। भगवद गीता का जो ज्ञान उन्होनें अर्जुन सहित पूरे विश्व को दिया था, उसका बीज उज्जैन से ही अंकुरित हुआ। महर्षि सांदिपनी व्यास के द्वारा प्रदान की गई शिक्षा और ज्ञान से भगवान श्रीकृष्ण ने पूरे विश्व को आलोकित किया। भगवद गीता के अध्याय और श्लोक हम सबको जीवन में मार्गदर्शन देने के साथ कर्म करने की प्रेरणा भी देते हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवसर पर इस्कॉन के द्वारा निर्मित गीता ऐप की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि इस ऐप के माध्यम से भगवत गीता के श्लोक और अध्यायों का अध्ययन अध्यापन किया जाएगा और एक साथ बहुत सारे लोग भगवद गीता से संबंधित परीक्षाओं में सम्मिलित हो सकेंगे। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित क्षेत्रो, उनके उपदेशों और उनकी लीलाओं का व्यापक प्रचार- प्रसार करने के लिए श्रीकृष्ण पाथेय का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में गीता भवन बनाने का निर्णय लिया गया है। हर भवन में एक लाइब्रेरी होगी और पुस्तकों और ग्रंथों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण के उपदेश और जीवन लीलाओं का व्यापक प्रचार प्रसार कर सभी लोगों से परिचित करवाने का कार्य गीता भवन के माध्यम से किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का इस्कॉन की ओर से श्री राधा मदनमोहन का चित्र और भगवद गीता भेंट कर सम्मान किया गया। इस दौरान महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापती श्रीमती कलावती यादव, श्री संजय अग्रवाल, श्री जगदीश पांचाल सहित नागरिक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षामंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की

बीजिंग एजेंसी।

भारत और चीन के बीच के बीच अच्छे पड़ोसी संबंध बनाने और एशिया में स्थिरता के लिए मिलकर काम करने की जरूरत जाहिर की। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने की भी तारीफ की। इसके साथ ही उन्होंने चीनी रक्षा मंत्री को हाल ही में हुए आतंकवादी हमले और पाकिस्तान में भारत की कार्रवाई की पूरी जानकारी भी दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर ऑपरेशन सिंदूर भारत का स्टैंड है। इससे पहले गुरुवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई थी। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की।

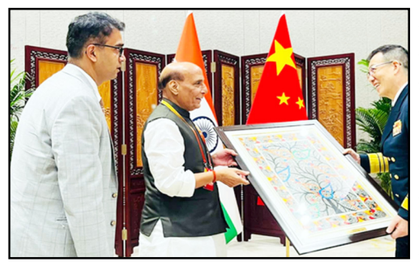

शुक्रवार को एससीओ समिट की साइडलाइन में रक्षा मंत्रियों की द्विपक्षीय बैठक हुई। इसमें भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीनी रक्षामंत्री एडमिरल डोंग जुन शामिल हुए। इस दौरान सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री को बिहार की मधुबनी पेंटिंग भेंट की। बैठक में राजनाथ सिंह ने चीन के साथ कूटनीतिक संबंधों को बेहतर करने के लिए एडमिरल डोंग जुन को 4 पॉइंट वाला प्लान पेश किया है। रक्षा मंत्री सिंह ने दोनों देशों

संक्षिप्त समाचार

'बॉर्डर 2' से दिलजीत दोसांझ हुए बाहर

इस पंजाबी एक्टर ने किया रिप्लेस हानिया संग काम करने की मिली सजा?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिलजीत दोसांझ अपनी फिल्म 'सरदारजी 3' को लेकर चर्चा में हैं. इस फिल्म का ट्रेलर कुछ वक्त पहले ही रिलीज हुआ था. इसमें पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आने वाली हैं. फिल्म में हानिया की मौजूदगी से भारतीय जनता और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज(नाराज हो गई. दिलजीत डोसांझ को ट्रोल करने के अलावा उनकी फिल्म, गानों और अन्य प्रोजेक्ट्स को बैन करने की मांग उठने लगी. इस बीच एफडब्ल्यूआईसीई ने फिल्म 'बॉर्डर 2' से दिलजीत को हटाने की मांग भी की थी। सूत्रों की मानें तो डायरेक्टर निधि दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर 2+ से दिलजीत दोसांझ को हटा दिया गया है. बताया जा रहा है कि फिल्म के मेकर्स और एक्टर्स ने मिलकर ये फैसला किया है. सभी का मानना है कि दिलजीत को इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं होना चाहिए. हालांकि फिल्ममेकर्स का अभी इस बात को कन्फर्म करना बाकी है. एफडब्ल्यूआईसीई ने 'बॉर्डर 2' के मेकर्स से डिमांड की थी कि वो दिलजीत दोसांझ के साथ काम न करें. इस फिल्म में दिलजीत को वरुण धवन, सनी देओल और अहान शेट्टी संग देखा जाने वाला था. सूत्रों के मुताबिक, 'बॉर्डर 2' भारतीय आर्मी पर फोकस करती है। इसमें दिलजीत का होना सही नहीं है। साथ ही फिल्म के मेकर्स नहीं चाहते थे कि दिलजीत दोसांझ से जुड़ा विवाद उनकी फिल्म या प्रमोशन पर असर डाले. दिलजीत के सीन्स को जल्द री-शूट किया जाएगा।'

पाकिस्तान की फिर बेइज्जती

फर्जी मध्यस्थता न्यायालय का दिखा रहा था धौंस भारत ने निकाल दी हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान की एक और चालाकी और धूर्तता को भारत ने नाकाम कर दिया है। दरअसल, भारत ने सिंधु जल संधि के नाम पर गठित मध्यस्थता न्यायालय को कानूनी तौर पर अवैध करार दिया

है और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं की क्षमता को लेकर उसके एक तथाकथित पूरक आदेश को खारिज कर दिया है। पाकिस्तान इस फर्जी मध्यस्थता न्यायालय की आड़ में भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था लेकिन उसकी चालबाजी फुस्स हो गई। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि कथित रूप से सिंधु जल संधि 1960 के तहत गठित अवैध मध्यस्थता न्यायालय ने आज केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाओं की क्षमता को लेकर एक तथाकथित पूरक आदेश पारित किया है। भारत ने कभी भी इस तथाकथित मध्यस्थता न्यायालय के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है।

पुरी में रथ यात्रा रुकी, कल फिर शुरू होगी

आज बलभद्र-सुभद्रा के रथ खींचे गए, अहमदाबाद में 9 बजे मंदिर पहुंचे तीनों रथ

अहमदाबाद/पुर, एजेंसी।

पुरी में शुक्रवार को शाम 4 बजे भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा शुरू हो गई। सबसे पहले भगवान बलभद्र का रथ खींचा गया। इसके बाद सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ खींचे गए।

पहले दिन बलभद्र का रथ 200 मीटर तक खींचा गया, सुभद्रा-भगवान जगन्नाथ के रथ भी कुछ दूरी तक खींचे गए। यहां रथ यात्रा के दौरान एक एंबुलेंस फंस गई थी। जिसे निकालने के लिए ह्यूमन चेन बनाई गई।

रथ यात्रा अब अगले दिन शुरू होगी, क्योंकि सूर्यास्त के बाद रथ नहीं खींचे जाते। यह रथ यात्रा कल यानी शनिवार को 3 किमी दूर गुंडीचा मंदिर पहुंचेंगी। इसके बाद 9 दिन तक भगवान जगन्नाथ अपनी मौसी के यहां गुंडीचा मंदिर में ठहरेंगे। उनके साथ सुभद्रा और बलभद्र भी रहेंगे। 5 जुलाई को भगवान वापस मुख्य मंदिर लौट आएंगे। उधर, अहमदाबाद में तीनों रथ रात में 9 बजे जमालपुर मंदिर वापस पहुंच गए। यहां गृह मंत्री अमित शाह ने सुबह 4 बजे मंगल आरती की। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रथ यात्रा की शुरुआत की।

अहमदाबाद जगन्नाथ रथयात्रा में हाथी बेकाबू

अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शुक्रवार सुबह 10 बजे एक हाथी बेकाबू हो गया और 100 मीटर तक भागा। इसके बाद रथ यात्रा में भगदड़ सी मच गई। लोग इधर-उधर भागते दिखे। बेकाबू हुआ हाथी 17 हाथियों के ग्रुप में सबसे आगे चल रहा था। मुश्किल से काबू पाया गया। इस हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया है।

चुनाव आयोग की स्ट्राइक....345 राजनीतिक दलों की मान्यता पर संकट

6 साल से कोई भी उम्मीदवार चुनाव नहीं लड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारत के निर्वाचन आयोग ने 345 पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों की मान्यता समाप्त कर उन्हें सूची से बाहर करने की तैयारी है। जिन दलों की मान्यता समाप्त करने की तैयारी है। उन्होंने पिछले 6 वर्षों से कभी भी अपने उम्मीदवार खड़े नहीं किये। जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की है।

2022 में केंद्रीय चुनाव आयोग ने 196 दलों का पंजीयन निरस्त किया था। 345 और राजनीतिक दलों की मान्यता समाप्त करने के बाद, केंद्रीय निर्वाचन आयोग की सूची में 2482 गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल पंजीकृत हैं। जिन राजनीतिक दलों ने नियमों का पालन नहीं किया है। उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किए हैं।

पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर में छूट देने का प्रावधान है। टैक्स छूट का लाभ उठाकर कई राजनीतिक दल मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराध को अंजाम देते हैं। जांच में इसतरह के कई मामलों का खुलासा हुआ है।

देश में राष्ट्रीय /राज्य /गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों का पंजीकरण, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 ए के तहत होता है। इस प्रावधान के तहत एक बार पंजीकृत हो जाने पर राजनीतिक दल को कर में छूट सहित अन्य कई सुविधाएं प्राप्त होती हैं। आयोग के अनुसार, यह अभियान राजनीतिक व्यवस्था को पारदर्शी एवं स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से आगे भी जारी रहेगा।

कोलकाता के लॉ कालेज में छात्रा से गैंगरेप

गार्ड रूम में हुई वारदात, 3 आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता एजेंसी।

कोलकाता में लॉ कॉलेज की एक छात्रा के साथ गैंगरेप किया गया है। घटना 25 जून की है। तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों का नाम मनोजीत मिश्रा (31), जैब अहमद (19) और प्रमित मुखर्जी (20) है। इन तीनों को साउथ 24 परगना के अलीपुर एसीएमजे कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच के लिए आरोपियों से पूछताछ जरूरी है। पीड़िता की मेडिकल जांच और बयान की प्रक्रिया भी चल रही है। भाजपा ने एक आरोपी मनोजीत मिश्रा के तृणमूल कांग्रेस से जुड़े होने का आरोप लगाया है।यह वारदात कॉलेज कैंपस में बुधवार शाम 7:30 बजे से रात 8:50 बजे के बीच हुई। गिरफ्तार आरोपियों में दो वर्तमान छात्र और एक पूर्व छात्र शामिल है। दो आरोपी मोनोजित मिश्रा और जैब अहमद को 26 जून को शाम 7:20 और 7:35 बजे के बीच सिद्धार्थ शंकर राय शिशु उद्यान के पास से पकड़ा गया। दोनों के मोबाइल फोन पुलिस ने बरामद कर लिए हैं। तीसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी को 27 जून की रात 12:30 बजे उसके घर से गिरफ्तार किया गया और उसका मोबाइल फोन भी जब्त किया गया है।

आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मिलकर राहुल गांधी ने कहा

जिला अध्यक्ष ही आगे कांग्रेस पार्टी को चलाएगा

ये काम हम पूरे देश में करने जा रहे

नई दिल्ली, एजेंसी।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने आदिवासी नेतृत्व को मजबूत करने पर जोर देकर बताया कि जिला अध्यक्ष ही कांग्रेस पार्टी को चलाएगा। साथ ही वह पार्टी को मजबूती देने का भी काम करेगा। कांग्रेस ने शुक्रवार को एक वीडियो शेयर किया। इसमें राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा करते दिख रहे हैं। यह वीडियो 6 मिनट 21 सेकंड का है।

कांग्रेस ने लिखा, नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। हम आदिवासी वर्ग को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़े हैं, उनके अधिकारों के लिए लड़ते रहने वाले है। वीडियो में देखा जा सकता हैं कि राहुल गांधी आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहते हैं, मैं पहले ही आपको बताना चाहता हूं कि मेरी दिलचस्पी क्या है। हमारी ऐसी आदिवासी लीडरशिप बने कि उसे हम कांग्रेस पार्टी में देख सके। मैं आपकी कांग्रेस पार्टी में मदद करना चाहता हूं। उसके लिए आपको संगठित होना पड़ेगा और जो सचमुच में आदिवासियों की बात कर रहे हैं, जो थोड़े डायनमिक हैं और आदिवासियों के लिए लड़ रहे हैं, उन्हें आगे करना पड़ेगा।

उन्होंने आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों से कहा, हम नया कदम ले रहे हैं। अभी कांग्रेस पार्टी ने गुजरात में शुरू किया है और उसमें वहां 41 नए जिला अध्यक्ष चुने हैं। जिला अध्यक्ष में आदिवासी, दलित, पिछड़े, जनरल कास्ट सहित सभी लोग शामिल है। हम जिला अध्यक्ष को पावर देने जा रहे हैं, जो वहां पर कांग्रेस को चलाएगा और उसकी रक्षा करेगा। हमारी जो विचारधारा है, उसकी रक्षा करेगा और सदस्यता बढ़ाएगा। जिला अध्यक्ष हमारा नॉडल ऑफिसर बन जाएगा और ये चीज हम हिंदुस्तान के हर जिले में कर रहे हैं। हालांकि, सबसे बड़ी परेशानी तब आती है, जब अहमदाबाद या दिल्ली से फैसला लिया जाता है और उसमें बनासकांठा के लिए कुछ नहीं होता है। इसलिए हम चाहते हैं कि बनासकांठा या अहमदाबाद से ही फैसला लिया जाए।

नीतीश-मोदी को हार का डर, चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में गड़बड़ी की साजिश

मोदी-नीतीश पर भड़के तेजस्वी

पटना, एजेंसी। बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक पारा तेजी से चढ़ता जा रहा है. इसी बीच राष्ट्रीय जनता दल के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और बिहार की मौजूदा सरकार पर जोरदार हमला बोला है. उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए नए वोटर लिस्ट रिवीजन अभियान को साजिश करार देते हुए कहा कि यह गरीबों और वंचित वर्गों को मतदान से दूर रखने की कोशिश है।

एक खास इंटरव्यू में तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में पहले से ही बाढ़ की स्थिति बनी हुई है, ऐसे में वोटर लिस्ट का नया संशोधन कराना न केवल अव्यवहारिक है, बल्कि इसका उद्देश्य गरीबों का वोटिंग अधिकार छीनना है. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा अचानक से यह निर्णय लेना दर्शाता है कि भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां हार के डर से इस तरह के हथकंडे अपना रही हैं।

कलेक्टर श्रीमती चौहान का नवाचार, एक ही दिन में बने 263 खेत तालाब

मधु सोलापुरकर, उप संचालक, जनसंपर्क

ग्वालियर । ग्वालियर जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संरक्षण और स्वरोजगार के क्षेत्र में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा नवाचार के रूप में नई पहल प्रारंभ की गई। ÷सरपंच संवाद÷ कार्यक्रम के चंद दिनों में ही सार्थक परिणाम सामने आने को हैं। जिले के दो ब्लॉक घाटीगाँव और भितरवार में सरपंचों ने कुपोषण से मुक्ति के लिये 292 बच्चों को गोद लिया है। 15 अगस्त तक जिले को कुपोषण से मुक्ति का संकल्प लिया गया है। इसके साथ ही कलेक्टर श्रीमती चौहान एवं सीईओ जिला पंचायत विवेक कुमार के समक्ष संवाद कार्यक्रम में लिये गए निर्णय के परिपालन में 25 जून को एक ही दिन में श्रमदान के माध्यम से जिले की सभी 263 ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 263 खेत तालाब निर्माण एवं जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार का कार्य किया गया। इस कार्य में ग्रामीणों के साथ ही मनरेगा के श्रमिकों द्वारा भी प्रातः 7.30 बजे से शाम तक कार्य किया गया है। एक दिन में इतनी संख्या में खेत तालाब का निर्माण एक अच्छी पहल है। इन दिनों में निरंतर कार्य करने का निर्णय भी ग्रामीणों ने लिया है।

सरपंचों ने की कुपोषण से मुक्ति की पहल

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के नवाचार के माध्यम से जिले में कुपोषण निवारण के लिये ÷सरपंच संवाद÷ कार्यक्रम के माध्यम से अच्छी पहल कर सरपंचों को जवाबदारी सौंपी है। जिले के सरपंचों ने भी अपनी जिम्मेदारी समझकर इस दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया है। सरपंचगण अपनी-अपनी पंचायतों में कुपोषित बच्चों के लिये चना, गुड़, सत्तू के साथ-साथ दूध भी उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही बच्चों की बेहतर देखभाल के लिये प्रेषित कर देते हैं। सरपंचों द्वारा कुपोषण के लिये किए जा रहे प्रयासों को देखते हुए अन्य ग्रामीण भी इस दिशा में सहयोग के लिये आगे आ रहे हैं। कुपोषण के निवारण के लिये स्वास्थ्य विभाग एवं महिला-बाल विकास विभाग का मैदानी अमला भी आवश्यक जानकारियां ग्रामीणों को उपलब्ध करा रहा है।

ग्रामीण क्षेत्र को हरा-भरा करने का लिया संकल्प

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि सरपंच यह संकल्प लें कि वे अपनी ग्राम पंचायत के लोगों को अपने खेत की मेंड़ों पर पेड़ लगाने के लिये अवश्य प्रेरित करें। इससे खेत की सीमा को लेकर होने वाले विवाद भी हमेशा के लिये दूर होंगे। उन्होंने ग्राम पंचायत सरपंचों को वृहद स्तर पर वृक्षारोपण के लिये प्रेरित करते हुए कहा कि जो सरपंच पानी व सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था के साथ सबसे ज्यादा वृक्षारोपण करायेंगे, उन्हें स्वतंत्रता दिवस पर सम्मानित कराया जायेगा। उन्होंने कहा हर विकासखंड में तीन ग्राम पंचायत सरपंचों को सम्मानित करने के साथ-साथ नगद पुरस्कार भी दिलाए जायेंगे। कलेक्टर ने हर ग्राम पंचायत में ÷राम वन÷ अर्थात मियांबाकी पद्धति से समूह में पौधे रोपने के लिये सरपंचों का आह्वान किया। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने आवासों व ऐसे शासकीय भवनों में भी वृक्षारोपण करने के लिये कहा जिनकी बाउण्ड्रीवॉल है।

सबसे ज्यादा खेत तालाब बनवाने वाले सरपंचों का होगा सम्मान

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जो सरपंच सर्वाधिक खेत तालाब बनवायेंगे, उन्हें सम्मानित कराया जायेगा। उन्होंने जनभागीदारी व मनरेगा सहित सरकार की योजनाओं के संयोजन से जल संरचनाओं के निर्माण का आह्वान किया। श्रीमती चौहान ने सभी सरपंचों से कहा कि जल्द से जल्द स्थल चयन कर बरसात से पहले खेत तालाब तैयार करा लें।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला ग्वालियर ने संयुक्त संचालक को दिया ज्ञापन

ग्वालियर।नगर संवाददाता

अजय कटिहार जिला शिक्षा अधिकारी ग्वालियर को कार्य मुक्त करने कमल सोलंकी उप सचिव मध्य प्रदेश शासन द्वारा दिनांक 6 6 2025 को आदेश जारी हुआ था आदेश क्रमांक 639/3027076/2025/20-1 को राज्य शासन द्वारा अजय कटियाल जिला शिक्षा अधिकारी ग्वालियर का सदर्भित पत्र के द्वारा स्थानांतरण ग्वालियर से संयुक्त संचालक विधिः प्रकोष्ट जबलपुर किया गया है। पर आज दिनांक तक इन्हें रिलीव नहीं किया गया है। अतः श्रीमान जी को फूल माला पहनकर उनसे निवेदन है कि श्री अजय कटियार डी.ई.ओ ग्वालियर को कार्यमुक्त करके आदेश प्रसारित करने की कृपा करें। श्री अजयकटियार का चार्ज श्री मति पुष्पाढोडी सहायक संचालक को डी.ई.ओ. का चार्ज दिया जा सकता है। कृप्या उचित कार्यवाही करने का कष्ट करें तो श्रीमान जी की अति कृपा होगी। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला ग्वालियर के जिला अध्यक्ष वेदपाल सिंह परमार अरुण चौहान उदयवीर सिंह भदोरिया श्रीमती सीमा श्रीवास्तव इस गंभीर विषय को स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक से भेंटकर ज्ञापन सौंपा

खास खबर

निगमायुक्त ने भ्रमण कर देखी साफ सफाई व्यवस्था

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर - नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने मुरार क्षेत्र का भ्रमण कर साफ सफाई व्यवस्था देखी तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने मुरार क्षेत्र के विभिन्न बाजारों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़कों पर गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निर्देश दिए कि शहर के प्रमुख मार्गों पर साफ सफाई प्रॉपर हो, कहीं भी कचरा नहीं दिखना चाहिए। इसके साथ ही डिवाइडरों पर ग्रीनरी बडाने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करें।

लंबे से अनुपस्थित रहने पर दो आउटसोर्स कर्मचारियों को हटाने एवं दो का तीन दिवस का वेतन काटने के दिए निर्देश

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर - सफाई व्यवस्था के निरीक्षण के दौरान आउटसोर्स कर्मचारी लंबे समय से अनुपस्थित रहने पर दो कर्मचारियों की सेवा समाप्ति एवं दो कर्मचारियों की तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य अधिकारी श्री एम एल लिथोरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार शहर की साफ सफाई व्यवस्था सुदृण बनी रहे इसके लिए वार्ड 63 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों को बीट पर चेक की तो पाया कि श्री विजय लक्ष्मण आउटसोर्स एवं श्री दीनदयाल लक्ष्मण आउटसोर्स लंबे समय से अनुपस्थित पाए गए। जिनको हटाने की कार्रवाई की गई तथा श्रीमती करीना एवं श्री करण आउटसोर्स कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए और काम पर आकर हाजिरी लगाकर भरने के बाद गायब हो गए। दोनो कर्मचारियों का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश डब्ल्यूएचओ वार्ड 63 को दिए। इसके साथ ही वार्ड 63 के डब्ल्यूएचओ एससीएन जारी करने की कार्रवाई की गई।

प्र. उपायुक्त श्री जखैनिया को प्र. उपायुक्त राजस्व का सौंपा दायित्व

ग्वालियर कार्य सुविधा की दृष्टि से नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के जारी आदेशानुसार श्री उत्तम जखैनिया प्रभारी उपायुक्त सम्पत्तिकर ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र को आगामी अन्य आदेश होने तक अपने वर्तमान कार्य के साथ साथ प्रभारी उपायुक्त राजस्व का दायित्व सौंपा जाता है।

सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में लापरवाही करने पर पांच अधिकारियों को नोटिस जारी

ग्वालियर - सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर पांच अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

जैन मिलन महिला मित्र मंडल फालका बाजार द्वारा पांच दिवसीय योग शिविर का समापन

पांच दिवसीय योग शिविर एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह 21 से 25 जून

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर श्री बृजनन्दन कौशिक योग केंद्र, विनयनगर में आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ 21 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रारंभ हुआ 25 जून 2025, बुधवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।योग प्रशिक्षिका जय श्री कौशिक जी द्वारा बहनों को सूर्य नमस्कार, भ्रामरी, अनुलोम-विलोम, श्वसन क्रियाएँ एवं शरीर व मन को संतुलित करने वाले अन्य उपयोगी योगासन करवाए गए। उन्होंने कहा - ÷योग न केवल व्यायाम है, बल्कि आत्मा, शरीर और मन का समन्वय है।समापन समारोह में प्रशिक्षिका जयश्री कौशिक जी को शाखा द्वारा अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शीला जैन, सुनीता जैन एवं क्षेत्रीय सदस्य वीरां चंदा जी जैन विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष शैफाली(अंजू) जैन, मंत्री इन्दु जैन संगीता जैन, संतोष, नीलम कला की गरिमामयी उपस्थिति एवं सक्रिय सहभागिता उल्लेखनीय रही। शाखा की अनेक बहनों ने अपने-अपने घरों में भी श्रद्धापूर्वक योगाभ्यास किया, जिससे ÷घर-घर योग÷ की अनुपम झलक देखने को मिली। बहनों ने प्रातः वेला में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम एवं ध्यान आदि योग क्रियाओं द्वारा ÷योग करें, निरोग रहें÷ के संकल्प को आत्मसात किया और शिविर में आने वाले सभी को।संस्कार, स्वास्थ्य और संयम का संगम - योग है यह बताया गया

जिले में हैंडपंपों के क्लोरीनेशन का कार्य जारी

कलेक्टर के निर्देश पर पीएचई का अमला कर रहा है क्लोरीनेशन का कार्य

ग्वालियर 27 जून 2025/ ग्वालियर जिले में बरसात के दौरान हैंडपंपों एवं जल संरचनाओं के क्लोरीनेशन का कार्य कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किया जा रहा है। ग्वालियर जिले में पीएचई अमले द्वारा 2 हजार से अधिक हैंडपंपों के क्लोरीनेशन का काम पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए थे कि बरसात के दौरान आम जनों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो, इसके लिये हैंडपंपों के साथ-साथ जल संरचनाओं में क्लोरीनेशन का कार्य किया जाए। विभाग के माध्यम से सम्पूर्ण जिले में हैंडपंपों में क्लोरीनेशन का काम किया जा रहा है। अब तक 2 हजार से अधिक हैंडपंपों में क्लोरीनेशन का काम पूर्ण कर लिया गया है। आगामी 10 दिनों में जिले में स्थापित सभी हैंडपंपों में क्लोरीनेशन का कार्य पूरा किया जायेगा।

पुख्य नक्षत्र में एक रिश्ता तय, 6 को होगा परिचय सम्मेलन

देवेंद्र पाठक व कपिल भार्गव हुए सम्मानित

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति के प्रधान कार्यालय, ऊंटपुल पर संचालित ब्राह्मण रिश्ता केंद्र पर पुख्य नक्षत्र में 1 रिश्ता तय हुआ। इस अवसर पर संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज, महामंत्री मुन्नालाल शर्मा, श्यामबाबू शर्मा, सतीश शर्मा, शैलेन्द्र दीक्षित, कपिल भार्गव, देवेंद्र दीक्षित, संगीता शर्मा, नीतू शर्मा, रेनू शर्मा ने लड्डू से मुंह मीठा कराया। इसके अलावा 1 जुलाई को डॉक्टर डे एवं गुप्त नवरात्रि पर उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर दोपहर 3 बजे से माता के भजन एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया जायेगा। इस कार्यक्रम का संयोजक कपिल भार्गव एवं महिला संयोजिका अनीता योगेंद्र दीक्षित को बनाया गया। वहीं 6 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा एवं आजीवन सदस्यता, बुजुर्गों के सम्मान समारोह को लेकर संस्थापक डॉ. जयवीर भारद्वाज ने सक्रिय समाजसेवियों के साथ विचार विमर्श किया। इस मौके पर सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा समाजसेवी देवेंद्र कुमार पाठक एवं कपिल भार्गव को भगवान परशुराम का चित्र, स्मृति चिन्ह, श्रीफल अंगवस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि 6 जुलाई को दोपहर 3 बजे निःशुल्क ब्राह्मण मंगली तलाकशुदा, विधुर, विधवा, दिव्यांग विवाह योग्य का परिचय सम्मेलन प्रधान कार्यालय ऊंटपुल पर होगा। इसके अलावा ब्राह्मण रिश्ता केंद्र में प्रतिदिन सायंकाल 5 से रात्रि 7 बजे तक प्रधान कार्यालय ऊंटपुल जिंसी नाले किताब घर के बगल में सम्पर्क कर आजीवन सदस्य देवेन्द्र कुमार पाठक से निःशुल्क सेवा प्राप्त कर सकते हैं। संचालन मुन्नालाल शर्मा एवं आभार श्याम बाबू शर्मा ने व्यक्त किया।

निगम परिषद की बैठक में लिए अनेक निर्णय, बैठक 7 जुलाई 2025 तक स्थगित

ग्वालियर।नगर संवाददाता

ग्वालियर - नगर निगम परिषद के साधारण सम्मेलन का आयोजन सभापति श्री मनोज सिंह तोमर की अध्यक्षता में निगम परिषद कार्यालय में आयोजित किया गया। साधारण सम्मेलन में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा कर अनेक निर्णय लिए गए। निगम परिषद में आयोजित बैठक में बिंदु क्रमांक 11 वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु पार्षदगणों की मौलिक निधि राशि में की गई वृद्धि के संबंध में लिए गए निर्णय पर पुनर्विचार करने के संबंध में चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पार्षदों की मौलिक निधि 90 लाख रुपये अतिरिक्त जीएसटी की स्वीकृति प्रदान की जाती है। बैठक में बिंदु क्रमांक 2 वेस्ट टू वंडर पार्क के सुचारू संचालन एवं संधारण हेतु टिकट दरों का निर्धारण करने के संबंध में चर्चा उपरांत सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने वेस्ट टू वंडर पार्क की टिकट दरों में व्यस्क पुरूष एवं महिला के लिए 30 रूपये, स्कूल छात्र एवं छात्राओं के लिए 15 रूपये, विदेशी पर्यटकों के लिए 150 रूपये, कैमरा 50 रूपये, ड्रोन शूट के लिए 100 रूपये तथा 10 वर्ष तक के बच्चे दिव्यांगों के लिए निशुल्क की स्वीकृति प्रदान की साथ ही सिविल वर्क की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति जिसमें संयोजक नेता प्रतिपक्ष श्री हरिपाल एवं समिति सदस्य पार्षद श्री गर्राज कंषाना, एमआईसी सदस्य श्री अवधेश कौरव, नोडल पीआईयू श्री पवन सिंघल बनाया गया एवं उक्त समिति 01 माह में जांच कर संदन को अवगत करायेगी। इसके साथ ही बैठक में सभी पार्षदगणों की सहमति उपरांत वार्डों की समस्याओं को लेकर हुई चर्चा उपरांत सभापति श्री मनोज सिंह तोमर ने निगमायुक्त श्री संघ प्रिय को निर्देशित किया कि वार्डों में सीवर सफाई में मशीनों की समस्या आ रही है, चैम्बरों में प्लास्टर नहीं है, मलवा चैम्बरों में चला जाता है। सिर्फ ढक्कन बदले जा रहे हैं इसके निगमायुक्त देखें तथा ठेका प्रथा को निगमायुक्त संज्ञान में लेकर नियमानुसार ठेका समाप्त किया जा सकता है तो इस पर निगमायुक्त विचार करें एवं पीएचई के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री अपने अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करें तथा जहां सीवर समस्या है तो उसका तत्काल समाधान करें। इसके लिए निगमायुक्त एक विशेष अधिकारियों की टीम बनाकर मॉनिटरिंग करायें। इसके बाद बैठक 7 जुलाई 2025 दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

ग्वालियर में आचार्य श्री सुबल सागर सहित नौ संतो के चातुर्मास के लिए मंगल प्रवेश शोभायात्रा आज निकलेगी

जीवन का लक्ष्य मोक्ष, पर भोग की ओर भटकता है मन : आचार्यश्री सुबल सागर

ग्वालियर शहर में पहली बार नौ साल के बाद नौ संतो का एक साथ होगा भव्य चातुर्मास

ग्वालियर -ः यह संसार मेहंदी की तरह ऊपर से हरा-भरा दिखने वाला है, परन्तु उसके भीतर परमात्मा रूपी लाली छुपी होती है। उस आत्मा को ही परमात्म पद मिलता है, जो इस संसार में रहकर अपने पुरुषार्थ के माध्यम से पाता है। परमात्मा का वह पद हमें मोक्ष की ओर ले जाता है, जो जीवन का अंतिम सत्य है। यह बात आचार्य श्री सुबल सागर ने आज शुक्रवार को माधवगंज स्थित दिगंबर जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आचार्य श्री ने कहा कि यह बात सत्य है कि यह संसार मोह का सघन अंधकार है। इस मोह रूपी अंधकार को मिटाने के लिए मोक्ष की ओर अपने कदम बढ़ाना होता है। वही हमारे कदम केवल ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित मोक्ष पथ पर बढ़े और एक बार कदम बढ़ाने के बाद पीछे की ओर न मुंडे और इन कर्म की कालिका को साफ करके अंतिम लक्ष्य की ओर बढ़े, क्योंकि कम समूह को मिटाने के आलोचना कर अपने ध्येय को प्राप्त किया। आचार्यश्री के चरणों में चार्तुमास कमेटी के निर्मल पाटनी, विनय कासलीवाल, प्रमोद जैन, कमलेश जैन, उमेश जैन भिंड आदि ने श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया। ग्वालियर में आचार्य श्री सुबल सागर सहित नौ संतो के चातुर्मास के लिए मंगल प्रवेश शोभायात्रा आज निकलेगी। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि तपस्वी सम्राट श्री सन्मति सागर महाराज के अंतिम शिष्य आचार्य श्री सुबल सागर महाराज ससंघ का ग्वालियर की पवन धरा पर भव्य चातुर्मास होगा। आचार्य श्री सुबल सागर महाराज का वर्ष 2016 के बाद एक बार फिर से नौ साल के बाद नौ संतो का एक साथ भव्य चातुर्मास होगा। ग्वालियर सकल जैन समाज सन्मति सुबल वर्षायोग ग्वालियर चातुर्मास कमेटी की ओर से 28 जून शनिवार को प्रातः 07 बजे से दौलतगंज स्थित जैन मंदिर से चातुर्मास के लिए आचार्यश्री सुबल सागर महाराज ससंघ नौ संतो का भव्य मंगल प्रवेश शोभायात्रा गाजेबाजे के साथ निकाली जायेगी।

भारत सरकार के कौशल विकास मंत्रालय के अंतर्गत ग्रीन जॉब्स के लिए कौशल परिषद, अर्न्स्ट एंड यंग इंडिया के सहयोग से

ग्वालियर।नगर संवाददाता

जीआईजेड इंडिया द्वारा समर्थित टीआईएसए परियोजना के तहत किसानों और भूस्वामियों के लिए कृषि-फोटोवोल्टिक पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर रही है। कार्यशाला 27-28 जून 2025 को तापसील जाति आदिवासी प्रकटन सैनिक कृषि विकास शिल्प केंद्र, होटल रेडियंस, आयकर कार्यालय के पीछे, ग्वालियर में आयोजित की गई मुख्य अतिथि नवीकरणीय ऊर्जा के कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला ने इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को कृषि-फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी, इसके कार्यान्वयन और बिजली वितरण कंपनियों के लिए इसके संभावित लाभों की व्यापक समझ प्रदान करना है। इस सत्र में विशेषज्ञों के नेतृत्व में चर्चा, केस स्टडी और ज्ञान साझा करने और क्षमता निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए इंटरैक्टिव जुड़ाव शामिल होंगे। जीआईजेड, भारत के एक अधिकारी श्री वरुण स्वच्छ ऊर्जा कार्यशाला में भाग लेंगे और किसानों को फसल उत्पादन के साथ-साथ बिजली उत्पादन के लिए अपनी भूमि का उपयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार सृजन होगा और किसानों और भूमि मालिकों के लिए उच्च आय होगी। विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र कुमार प्रौद्योगिकी पर प्रकाश डालेंगे और परियोजना के वित्तपोषण, सरकारी नीतियों, उपलब्ध सब्सिडी और 25 वर्षों के लिए डिस्कॉम के साथ बिजली खरीद समझौते की व्याख्या करेंगे। वे उन फसलों पर भी चर्चा करेंगे जो सौर पैनलों के तहत उगाई जा सकती हैं जो अधिक उपज दे सकती हैं। श्री सौमेन कोले, सचिव, तापसील जाति आदिवासी प्रकटन सैनिक कृषि विकास शिल्प केंद्र ग्वालियर में एसआरएमटी वेस्ट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर के प्रबंध निदेशक श्री रविशंकर श्रीवास्तव के साथ कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं, जिसमें 30 से अधिक किसानों, एफपीओ के भाग लेने की उम्मीद है। किसानों के लाभ के लिए कार्यशाला हिंदी और अंग्रेजी भाषा में आयोजित की जाएगी।

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा
जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित
संपादक: महेन्द्र तिवारी
न डरते हैं न डराते हैं, सच उजागर करते हैं

70 साल बाद बिजपुरी गांव में पहुंची बिजली

-विधायक को धन्यावाद देते हुए सभी के चेहरों पर दिखी खुशी

नगर संवाददाता

भिण्ड। विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह के प्रयास के बाद आज बिजली के लिए उनकी मेहनत रंग ला ही गई। बिजपुरी गांव जहां आजादी के 70 साल बाद भी बिजली नहीं पहुंची थी। चुनावों में घोषणाएं बहुत हुई, पूर्व में कई नेता आए और वोट लेने के लिए थोड़ा-बहुत आश्वासन भी दिया, लेकिन चुनाव निकलने के बाद स्थिति जस की तस बनी रही। लोगों से जुड़े इस जरूरी मुद्दे को विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा मध्य प्रदेश की विधानसभा में प्रमुखता से उठाया गया। इसका यह असर रहा कि बिजली पहुंचाने का जो काम रुका पड़ा था, वह शुरू कराया गया और आज बिजपुरी गांव में बिजली सुचारू रूप से प्रारंभ हो गई। जिसका विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। गांव के छात्र-छात्राएं और बुजुर्गों ने उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि रात में उन्हें पढऩे और अन्यन दैनिक कार्यों के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। इस मौके पर बिजली विभाग के उप प्रबंधक विशाल उपाध्याय, बिजली कर्मचारी व भूपे सिंह भदौरिया, टप्पे सिंह, दीपक सिंह, रामाधार मास्टर, रामगोपाल सिंह, दुर्गा सिंह भदौरिया, राधेश्याम मिश्र सहित कई लोग मौजूद रहे। बिजपुरी गांव के लोगों की जिंदगी में रोशनी भी हो गई है। लाइट पहुंचाने के लिए जब खंभों को लगाया जा रहा था, तो खुशी-खुशी

गांववाले इस काम में डिपार्टमेंट की टीम के साथ जुटे हुए थे। लोगों ने पहली बार अपने पूरे गांव में सुचारू रूप से जलते हुए लाइट देखी, वहां पर सभी के चेहरों पर ऐसी खुशी थी कि मानो उनकी जिंदगी ही बदल गई हो। विधायक नरेन्द्रसिंह कुशवाह ने बताया कि बिजपुरी गांव में बिजली की समस्या को लेकर मैंने कई बार ध्यानार्षण प्रश्न पटल पर रखा, जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह यादव एवं ऊर्जा मंत्री प्रदुम्न तोमर ने उसे गंभीरता से लिया और तुरंत कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। जिसका परिणाम आप सभी के सामने है। बिजली लोगों की जिंदगी में मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है।

दंदरौआ पहुंचें क्षेत्र के लोग

विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने क्षेत्रवासियों से शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह यादव का दंदरौआ धाम आगमन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

लोकायुक्त ने 3500 की रिश्वत लेते पकड़ा पटवारी

- जमीन के नामांतरण के एवज में मांगे थे 8 हजार रुपए

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिले के गोहद थाना क्षेत्र में लोकायुक्त टीम ने ऐनो मौजा पटवारी को शुक्रवार को साढ़े तीन हजार रुपए की रिश्वत देते हुए रंगे हाथों दबोच लिया और उसके विरुद्ध कार्रवाई शुरू कर दी गई है।जानकारी के अनुसार फरियादी पूरन सिंह गुर्जर ने गोहद अनुविभाग के ऐनो गांव के मौजा में 15 बीघा जमीन का नामांतरण किए जाने को लेकर पटवारी शिवचरण सिंह नरवरिया से मुलाकात की। पटवारी ने जमीन का नामांतरण को लेकर आठ हजार रुपए रिश्वत मांगी। इस पर काश्तकार से साढ़े चार हजार रुपए दिए और नामांतरण कराए जाने का सौदा तय हुआ। इस पर पटवारी रिश्वत की पूरी रकम लेने के बाद ही नामांतरण किए जाने की बात कहने लगा। इस पर पूरन सिंह गुर्जर ने इस मामले की शिकायत लोकायुक्त पुलिस से की। लोकायुक्त पुलिस ने पहले पटवारी की रिश्वत की मांग करने की बातचीत की टैप रिकार्डिंग कराई। इसके बाद रिश्वत की शेष साढ़े तीन हजार रुपए की रकम किए जाने से पहले रुपयों में कलर लगाया। जैसे ही पटवारी से पूरन सिंह गुर्जर मुलाकात करने गया। काश्तकार द्वारा पटवारी से बातचीत कर रिश्वत की 3500 रुपए दिए। इसी समय पूरन सिंह ने लोकायुक्त पुलिस को इशारा कर दिया। लोकायुक्त पुलिस ने पटवारी को पकड़ लिया। इसके बाद गोहद थाने ले जाकर पटवारी के हाथ धुलवाए और आगे की कार्रवाई शुरू की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज आएंगे दंदरौआधाम

मंत्री एवं कलेक्टर ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

नगर संवाददाता

भिण्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 जून शनिवार को एक दिवसीय प्रवास पर सायं 4 बजे जिले के दंदरौआ धाम पहुंचकर पहुंचेंगे और वहां सभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया।नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला एवं कलेक्टर श्रीवास्तव ने शुक्रवार को दंदरौआ धाम पहुंचकर कार्यक्रम की तैयारियों का अवलोकन कर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के लिए मप्र माध्यम द्वारा किए जा रहे मंच निर्माण, सभा स्थल, ग्रीन रूम निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा। साथ ही हैलीपेड तथा पार्किंग स्थल का जायजा लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सभी व्यवस्थाएं यथाशीघ्र करने के निर्देश दिए। इस दौरान पूर्वमंत्री ओपीएस भदौरिया, अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर अंकुर रवि गुप्ता, एसडीएम मेहगांव नवनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

यह है मुख्यमंत्री का कार्यक्रम

निर्धारित कार्यक्रम अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 जून शनिवार को दोपहर 3.20 बजे पृथ्वीपुर जिला निवाड़ी से रवाना होकर हेलिकॉप्टर द्वारा सायं 4 बजे मेहगांव के दंदरौआ धाम आएंगे। उसके बाद मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सायं 5.30 बजे दंदरौआ धाम से हेलीकॉप्टर द्वारा एयरपोर्ट ग्वालियर के लिए रवाना होंगे।

प्रधान आरक्षक देवेंद्र ने किया रक्तदान

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिला अस्पताल में भर्ती एक जरूरतमंद मरीज के लिए गुरुवार को प्रधान आरक्षक देवेंद्र सिंह ने रक्तदान किया। ब्लड डोनेट करने के बाद उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए बताया कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरूरी है। अपने लिए तो सभी जीते है, पर दूसरों के लिए जीना बड़ी बात है। ब्लड डोनेट करके लोगों की मदद की जा सकती है। रक्तदान महादान है, इसे जीवनदान के बराबर माना जाता है। रक्तदान न केवल अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि यह रक्त देने वाले को स्वस्थ बनने में भी मदद करता है, इसलिए यह दोनों के लिए फायदेमंद है। इस मौके पर मुनेंद्र सिंह राठौड़, बबलू, अजय दीक्षित, शैलेंद्र सिंह, अनुष्का आदि मौजूद रहे।

पांच संस्थानों पर बाल श्रम अधिनियम अंतर्गत की कार्रवाई

नगर संवाददाता

भिण्ड। श्रम पदाधिकारी भिण्ड ने बताया कि गुरुवार को भिण्ड शहर में संस्थानों पर कार्यरत बाल एवं किशोर श्रमिकों के विमुक्तिकरण की कार्रवाई हेतु टास्क फोर्स दल द्वारा 5 संस्थानों पर बाल श्रम अधिनियम 1986 अंतर्गत कार्रवाई की गई। जिसमें कमल सेल्स जैन कॉलेज के पास भिण्ड से एक बाल श्रमिक को विमुक्त कराकर बाल कल्याण समिति के माध्यम से परिजनों को सुपुर्द कराया गया। इसके अतिरिक्त एक-एक किशोर श्रमिक जीशान ऑटो वर्कशॉप एवं आजाद ऑटो पार्ट्स, पन्ना होटल के सामने भिण्ड से विमुक्त कराए गए। इसी क्रम में शिव जूस सेंटर इटावा रोड भिण्ड एवं न्यू जोधपुर मिष्ठान ग्वालियर रोड भिण्ड पर कार्यरत एक-एक किशोर श्रमिक गैर खतरनाक कार्य में नियोजित होने से श्रम निरीक्षक द्वारा धारा 7, 8, 9, 11 व 12 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। बाल श्रम के विरुद्ध कार्रवाई में श्रम विभाग भिण्ड से श्रम निरीक्षक मनीष झा, महिला बाल विकास विभाग से दीपेन्द्र शर्मा, धरती संस्था से जिला समन्वय रामवीर सिंह व ब्लॉक समन्वय विनोद सिंह उपस्थित रहे।

शस्त्र लाईसेंस निलंबित

नगर संवाददाता

भिण्ड। जिला दण्डाधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने पुलिस अधीक्षक भिण्ड के प्रतिवेदन पर से आयुध अधिनियम 1959 की धारा 17(3) बी में निहित प्रावधानों का प्रयोग करते हुए आर्म्स लाईसेंसी शैलेन्द्र दीक्षित पुत्र शीतल प्रसाद निवासी झांसी मोहल्ला भिण्ड के नाम अन्य आदेश होने तक शस्त्र लाईसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है।

रीजनल इंडस्ट्री एण्ड स्किल एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव से प्रदेश विकास की ओर अग्रसर : शुक्ला

नगर संवाददाता

भिण्ड। एमएसएमई दिवस के अवसर पर जिले के कलेक्ट्रेट सभागार में रीजनल, इंडस्ट्री एण्ड स्किल एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला वर्चुअल रूप से जुड़े। साथ ही भिण्ड विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र नरवरिया एवं भिण्ड जनपद पंचायत अध्यक्ष सरोज बघेल की गरिमामयी उपस्थिति रही।इस अवसर पर चार इकाईयों का लोकार्पण किया गया। जिले के सभी उद्यमियों को मंत्री राकेश शुक्ला ने बधाई देते हुए कहा कि निश्चित रूप से नवीन औद्योगिक इकाईयों से जिले के युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा जिले का विकास भी होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा जो कॉन्क्लेव आयोजित की जा रही हैं उनसे पूरे प्रदेश के युवा लाभान्वित होंगे।विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने कहा कि मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में जो विकास हो रहा है,

उसका लाभ भिण्ड जिले के सभी युवाओं को मिले ऐसा प्रयास सभी को मिल-जुलकर करना चाहिए। जिससे जिले के युवाओं को अधिक से अधिक मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध हो, नुन्हाटा ग्राम पंचायत में भी प्रस्तावित फूड पार्क भविष्य में स्थापित होगा, जिसका लाभ ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है।महाप्रबंधक अमित शर्मा ने विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से उपस्थित सभी अतिथिगणों को अवगत कराया और जानकारी देते हुए कहा 4 नई लोकार्पित औद्योगिक इकाईयों में कुल 635 लाख रुपए का निवेश हुआ है तथा इनसे लगभग 33 लोगों को प्रत्यक्ष/ परोक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होगा। सभी मुख्य अतिथियों द्वारा 5 निवेशकों को औद्योगिक भूखण्ड आवंटन की लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान की गई। एमएसएमई विभाग द्वारा संचालित एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 13 इकाइयों को स्वीकृत अनुदान की 324 लाख राशि का वितरण डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर मल्टी प्रोडक्ट क्लस्टर हेतु %कामदगिरि इंडस्ट्रियल फाउण्डेशन' को विकासक के रूप में नियत किया गया, जिससे क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को और अधिक गति मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन सेडमैप के जिला समन्वयक अश्विन शर्मा ने एवं अंत में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र मालनपुर के प्रबंधक अरुण खरे ने सभी का आभार व्यक्त किया।

विहसन्त सागर महाराज का बरासों में हुआ मंगल प्रवेश

नगर संवाददाता

भिण्ड। मेडिटेशन गुरू उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज मुनि विश्व साम्य सागर महाराज ससंग का महातीर्थ अतिशय क्षेत्र बरासों जी में 27 जून दिन शुक्रवार को प्रात:- काल 8 बजे भव्य मंगल प्रवेश हुआ। जानकारी देते हुए पार्षद मनोज जैन ने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ससंघ का भिंड नगर में चातुर्मास हेतु आगमन हो रहा जो इंदौर से शिवपुरी गुना सोनागिर बेहट होते हुए महातीर्थ बरासों जी जैन मंदिर में 27 जून को सुबह 8 बजे मंगल प्रवेश किया, 29 जून को बरासों से आगरा उत्तरप्रदेश के लिए विहार करेंगे। जहां 5 जुलाई को आगरा में वेदी प्रतिष्ठा कर 6 जुलाई को बापस भिंड के लिए विहार करेगे,

जो 12 जुलाई को नगर में प्रवेश कर कलश स्थापना होगी। उन्होंने बताया कि मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ने भगवान महावीर स्वामी की समवसरण स्थली अतिशय क्षेत्र बरासों जैन मंदिर की जीर्णशीर्ण हालात को देख कर पहली बार मेडिटेशन गुरु उपाध्याय विहसन्त सागर महाराज ने चातुर्मास किया था। उन्होंने मंदिर का जीर्णोद्धार कराकर देश प्रदेश में नाम किया। जिसे देश के विभिन्न स्थानों के लोग बढ़ी संख्या में लोग अष्टमी चौदस को दर्शन करने आते है। इस अवसर पर राजेन्द जैन, बिल्लू चक्रेश जैन, नरेश जैन, सुनील शक्कर, मुकेश जैन, अशोक महामाया, विकास जैन, अक्षय जैन आदि । प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 28 जून 2025, शनिवार को एक दिवसीय प्रवास पर मेहगांव के दंदरौआ धाम पधार रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना साबित होगी वरदान

नगर संवाददाता

भिण्ड। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना चर्चाओं में है। यह योजना ग्रिड कनेक्टेड रूफ टॉप सोलर सिस्टम से सम्बन्धित है। इस योजना में सब्सिडी भी मिलती है। केवल घरेलू उपभोक्ताओं तथा रूफ टॉप सोलर सिस्टम से विद्युत उत्पादन भी फ्री होता है। इसके साथ बिजली उत्पादन घर की खपत से अधिक होने पर वह बिजली को विभाग खरीद लेता है और उपभोक्ता को उसके रूफ टॉप सोलर सिस्टम से अधिक बिजली की जरूरत होती है, तब उपभोक्ता बिजली विभाग से बिजली ले सकता है। इसका हिसाब नेट मीटर द्वारा किया जाता है। भारत सरकार द्वारा रूफ टॉप सोलर सिस्टम घरेलू उपभोक्ताओं से सम्बन्धित ऑन ग्रिड कनेक्टेड योजना है। योजना से सम्बन्धित मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं- यह योजना घरेलू कनेक्शन उपभोक्ताओं के लिए है। जितने किलोवाट के लोड का कनेक्शन है, उतने ही किलोवाट लोड का रूफ टॉप सोलर सिस्टम लगा सकते हैं। यदि रूफ टॉप सोलर सिस्टम 3 किलोवाट का लगवाना है और उपभोक्ता का कनेक्शन 2 किलोवाट का है, तो पहले उपभोक्ता को अपना कनेक्शन विद्युत विभाग से 2 किलोवाट से 3 किलोवाट करवाना होगा।

रूफ टॉप सोलर सिस्टम का कार्य किससे कराना होता है

उपभोक्ता को पंजीकृत ठेकेदार से सम्पर्क कर विधिवत कार्य कराना होता है। उपभोक्ता को स्वयं अथवा ठेकेदार के माध्यम से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के नेशनल पोर्टल पर अपना आवेदन करना होता है। नेट मीटर विद्युत विभाग से लगवाना होता है। औसतन रुपए 50 हजार से 60 हजार प्रति किलोवाट खर्च आता है। लागत मूल्य विशेषत:- रूप टॉप सोलर सिस्टम और इनवर्टर तथा अन्य उपकरणों की गुणवत्ता के अनुसार निर्भर करता है। उपकरणों की कीमत भी समयानुसार बदलती रहती है।

मिलती है सब्सिडी

एक किलोवाट के कनेक्शन पर रूपए 30 हजार दो किलोवाट के कनेक्शन पर रूपए 60 हजार तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक लोड के कनेक्शन पर रूपए 78 हजार की सब्सिडी मिलती है। यह सब्सिडी उपभोक्ता के खाते में कार्य पूर्ण होने और कार्य पूर्ण होने की जानकारी नेशनल पोर्टल पर अपलोड होने और उसके भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट के बाद में उपभोक्ता के खाते में जमा होती है।

बिजली उत्पादन पर मिलती है फ्री बिजली

औसतन एक दिन में एक किलोवाट रूफ टॉप सोलर सिस्टम से 5 यूनिट, 2 किलोवाट से 10 यूनिट तथा 3 किलोवाट से 15 यूनिट बिजली बनती है। इस तरह से एक माह में औसतन एक किलोवाट से 150 यूनिट बिजली, दो किलोवाट से 300 यूनिट तथा 3 किलोवाट से 450 यूनिट मुफ्त बिजली उपभोक्ता को मिलती है। इसलिए इस योजना का नाम प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना रखा गया है। रूफ टॉप सोलर सिस्टम के लगाने के खर्च के बाद बिजली सूर्य की रोशनी से दिन में मुफ्त बिजली बनती है। यह विद्युत उत्पादन कार्बन उत्सर्जन को कम करता है और विद्युत उत्पादन से आत्म निर्भर बनाता है।

छत पर चाहिए कितनी जगह चाहिए

रूफ टॉप सोलर सिस्टम मकान की छत पर लगाया जाता है। छत पर किसी पेड़ अथवा आसपास के ऊंचे बने मकान की छाया रूफ टॉप सोलर सिस्टम पर न आए, इसका ध्यान रखा जाता है। सामान्यतया रूफ टॉप पैनल का झुकाव दक्षिण दिशा की तरफ रखते हैं और उठाव उत्तर दिशा की तरफ रखते हैं।

एसडीएम ने प्राथमिक विद्यालय भीमपुर का किया औचक निरीक्षण

शिक्षा व्यवस्था मिली पूर्णता चौपट, शिक्षिका समय से पहले ही स्कूल से मिली गायब

नगर संवाददाता

लहार। एसडीएम लहार विजय यादव ने शुक्रवार को रौन क्षेत्र में विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। वे लगातार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने हेतु प्रयास कर रहे हैं, जिसके क्रम में उन्होंने प्राथमिक विद्यालय भीमपुर का निरीक्षण किया। 11:30 बजे स्कूल में पदस्थ दो शिक्षकों में से एक प्राथमिक शिक्षिका रेखा चौहान रजिस्टर में हस्ताक्षर कर स्कूल से गायब मिलीं। ग्रामीणों ने भी बताया कि महिला शिक्षिका लापरवाह हैं, बच्चों को पढ़ाती नहीं हैं एवं अक्सर साइन करके गायब रहती हैं। अनुपस्थित एवं लापरवाह शिक्षिका का पांच दिवस का वेतन राजसात करने के निर्देश एसडीएम लहार ने

बीआरसी रौन को दिए।एसडीएम प्राथमिक शाला पहुंचे तब वहां दर्ज 70 बच्चों के विरुद्ध एक भी बच्चा उपस्थित नहीं मिला। स्कूल के बाहर खेल रहे बच्चों को जब एसडीएम ने बुलाया एवं जानकारी ली तो 6 से 7 बच्चे प्रांगण में उपस्थित हो गए। जब एसडीएम ने जानकारी ली तो पता चला कि स्कूल में सांझा चूल्हे के तहत कार्यरत जय गुरुदेव स्वसहायता समूह द्वारा 16 जून से ही भोजन का वितरण नोनीहालों को नहीं किया गया एवं कक्षा चार के बच्चे से जब एसडीएम ने हिन्दी पढ़ाई तो वह हिन्दी के सामान्य शब्द नहीं पढ़ सका एवं 11 का पहाड़ा पूछने पर बच्चा जवाब नहीं दे पाया। मौके से ही एसडीएम ने सीएससी महेश माहेश्वरी को फोन लगाकर लताड़ लगाई कि तुम लोग क्या देखते हो, स्कूलों की दुर्दशा पर तुम्हारा कोई ध्यान नहीं है।

एसडीएम ने मौके से ही तत्काल बीआरसी रौन को फोन लगाकर प्रभारी प्रधानाध्यापक राजेन्द्र सिंह चौहान एवं सीएससी महेश माहेश्वरी को करण बताओ नोटिस व लापरवाह स्वसहायता समूह जयगुरुदेव को तत्काल प्रभाव से हटाकर नवीन समूह नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं।

सम्पादक की कलम से

जातिवाद और तुष्टीकरण की विकृत राजनीति का खतरनाक खेल

समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2026 के पंचायत चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर राजनैतिक सरगर्मियां तीव्र हो रही हैं। इन सरगर्मियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश के प्रमुख विरोधी दल समाजवादी पार्टी के साथ साथ अन्य विरोधी दल भी इन आगामी चुनावों में पहले की ही तरह जातिवाद और तुष्टीकरण को ही अपना प्रमुख हथियार बनाएंगे। सपा नेता अखिलेश यादव ने जिस प्रकार पीडीए के नाम पर हिन्दू समाज को जाति-जाति में विभाजित करके अपना स्वार्थ सिद्ध करने अर्थात वर्ष 2027 में सपा सरकार बनाने की योजना बनाई है वह वास्तव में प्रदेश के सामाजिक ताने बाने को ध्वस्त करने का एक खतरनाक खेल है। विगत दिनों प्रदेश में कई ऐसी घटनाएं घटी हैं जो इस खतरनाक खेल की आहट दे रही हैं। समाजवादी अखिलेश यादव द्वारा तथाकथित पीडीए की राजनीति को संबल देने के लिए जो बयानबाजी की जा रही है तथा उनकी पार्टी और समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर जैसी टिप्पणियां की जा रही हैं उनसे प्रदेश में शांति भंग होने की आशंका बढ़ रही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव इटावा में कथावाचक के साथ घटी घटना पर आक्रामक होकर आपत्तिजनक बयान दे रहे हैं वहीं नैमिष में एक अन्य कथावाचक के साथ घटीअप्रिय घटना पर मौन हैं। यह तो अच्छा हुआ कि पुलिस प्रशासन ने इटावा के कथावाचक के साथ मारपीट की घटना से सम्बंधित चार संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और घटना की निष्पक्ष जांच आरंभ हो गई है। इटावा की घटना को लेकर अनावश्यक रूप से ब्राह्मण समाज के विरुद्ध सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं वो सामाजिक वैमस्यता बढ़ाने वाली हैं। स्मरणीय है कि सत्ता की भूख में आज पीडीए की बात करने वाले सपा मुखिया की सरकार बनते ही 2012 में सबसे पहले सीतापुर में बड़ी संख्या में दलित समाज के घरों को जला दिया गया था। अखिलेश यादव बोले, ब्लॉक पूरी तरह एकजुट, जो लोग छोड़ना चाहते हैं, वे स्वतंत्र हैं इटावा की घटना की जांच चल रही है किंतु अखिलेश यादव जांच रिपोर्ट को प्रभावित करने के लिए गलत बयानी कर रहे हैं। हिंदू समाज में किसी भी जाति का, कोई भी व्यक्ति जिसे धर्मग्रंथों का ज्ञान है तथा जनमानस को अच्छी बातें बताने की क्षमता रखता है वह कथावाचन कर सकता है। अधिकांश कथा वाचक गैर ब्राह्मण ही हैं। कथावाचक की जाति पर कभी चर्चा नहीं होती। - **सम्पादक**

शंघाई सहयोग संगठन रक्षा मंत्रियों की 22वीं बैठक 25-27 जून 2025 किंगदाओ चीन में कुछ देशों की जुगलबंदी को भारत का वीटो पावर भारी पड़ा-साझा घोषणा पत्र अटका

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ देशों द्वारा जुगलबंदी कर भारतीय विचारधारा को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है-भारत की आवाज़ सुनना पड़ेगा आतंकवाद से मुकाबला करने सर्वेजन सुखिनो भवन्तुःयानें शांति और समृद्धि के लिए सभी को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा,सराहनीय- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत के बढ़ते कद,रुतबे और प्रतिष्ठा से स्वाभाविक रूप से कुछ देश या उनका संगठन ईर्ष्या ज़रूर करेगें। 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में कदम रखा था अभी 26 जून 2025 को शुभांशु शुक्ला ने भी भारत के दूसरे बहादुर ने कदम रखा है यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि और भारत की दिशा, विचारधारा को नज़रंदास कर उसे कम आकलन कर अपने सहयोगी सदस्य देश का पक्ष जरूर लेंगे। वैसे भी यह हर देश की नीति रणनीति रहती है कि उसके लिए राष्ट्रहित सर्वोत्तम रहता है।दुनियाँ का बादशाह कहलानें वाला देश भी अनेक बार अपने हित के लिए पड़ोसी व विस्तारवादी मुल्क, खाड़ी देशों, पश्चिम एशिया इत्यादि में अपनें सहयोग के साथ की स्थिति बदलते रहता है, ठीक उसी तरह भारत भी कूटनीतिक, विदेश नीति के हिसाब से राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रखकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनीं विचारधारा, संकल्प, देशहित, विश्वहित की अपनी नीति शुरू से ही जारी रखे हुए हैं। आज मैं किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहा हूं क्योंकि हमने 26 जून 2025 को चीन के किंगदाओ शहर में चल रहे रक्षा मंत्रियों के शंघाई सहयोग संगठन में साझा घोषणापत्र पर भारतनें हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है,क्योंकि उनकाआतंकवाद पर पाक़ के बलूचिस्तान का तो नाम था परंतु भारत के पहलगाम का नाम नहीं था,जिस पर हमारे रक्षामंत्री ने भरी सभा में खरीखोटी सुनाई व अनेक बातें कहीं जिसे हम नीचे पैराग्राफ में चर्चा करेंगे,ठीक उसी तरह अभी 3 दिन पहले,तुर्किए के इस्तांबुल में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन की दो दिवसीय बैठक एक बार फिर पाक की पक्षपातपूर्ण कूटनीति का मंच बन गई। 57 मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी की विदेश मंत्रियों की परिषद ने अपने साझा बयान में जहां एक ओर भारत-पाक के बीच हुए सिंधु जल समझौतेको जारी रखने की बात कही, वहीं दूसरी ओर भारत की सैन्य कार्रवाई और कश्मीर नीति को लेकर भी एकतरफा टिप्पणी की,ओआईसी ने अपने साझा बयान में साफ कर दिया कि वह पाक के रुख का पूरी तरह समर्थन करता है और भारत से अधिकतम संयम बरतने की उम्मीद करता है।चूँकिआतंकवाद से मुकाबला सर्वेजन सुखीनों भवंतु यानें शांति और समृद्धि के लिए सभी को एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा सराहनीय है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कुछ देशों द्वारा जुगलबंदी कर भारतीय विचारधारा को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है,भारत की आवाज हर हाल में सुना ही पड़ेगा।

साथियों बात अगर हम 25-27 जून 2025 तक किंगदाओ चीन में चले शंघाई सहयोग संगठन की 22वीं बैठक में साझा घोषणा पत्र में हस्ताक्षर करने से इंकार की करें तो,एससीओ वर्तमान में 10 सदस्य देश हैं - बेलारूस, चीन, भारत, ईरान,कजाकिस्तान किर्गिस्तान,पाकिस्तान,रूस, ताजिकिस्तान औरउज्बेकिस्तान। बैठक के बाद साझा घोषणापत्र में चीन नें पाकिस्तान से दोस्ती निभा दी है, चीन ने एससीओ घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र भारत के आग्रह के बावजूदन नहीं किया, जबकि पाकिस्तानी सेना के खिलाफ बलूचिस्तान में हो रहे विद्रोह का जिक्र आतंकी घटनाओं के तौर पर किया है, इस बैठक में भाग लेने के लिए चीन गए रक्षा मंत्री इससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने इस साझा घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से इंकार कर दिया है, साथ ही भारत ने कहा है कि वे साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी शामिल नहींहोंगे। भारत के इस कदम के बाद एससीओ का साझा घोषणापत्र जारी नहीं हो सका है।भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर एससीओ बैठक में भी वही रुख कायम रखा है, जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाक में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई में दिखाया था, भारत ने दिखा दिया है कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के मुद्दे पर वह किसी तरह की कूटनीतिक नरमी नहीं दिखाने जा रहा है और ना ही किसी तरह के अंतरराष्ट्रीय दबाव में आएगा,भारत ने इस मुद्दे पर एससीओ घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के चीन के आग्रह को भी खारिज करके स्पष्ट कर दिया है कि आतंकवाद पर उसका दोहरा रवैया नहीं चलेगा। साथियों बात अगर हम रक्षा मंत्री की एससीओ बैठक में सीमा पर आतंकवाद का मुद्दा उठाने की करें तो रक्षामंत्री ने बुधवार को शुरू हुई एससीओ देशों के 10 रक्षामंत्रियों की बैठक में स्पष्ट रूप से सीमापार आतंकवाद का मुद्दा उठाया था,उन्होंने पाक का नाम लिए बिना ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए सीधी चेतावनी दी थी कि निर्दोषों का खून यदि फिर बहेगा तो भारत का एक्शन जारी रहेगा,भारत फिर से घुसकर आतंकियों को मारेगा, निर्दोषों का खून बहाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा, उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले का भी जिक्र किया था और कहा था कि एक नेपाली नागरिक समेत 26 निर्दोषों का खून धार्मिक पहचान पूछकर बहाया गया, जिस संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट ने इसकी जिम्मेदारी ली, वो संयुक्त राष्ट्र की तरफ से लिस्टेड पाक आतंकी संगठन लश्कर-ए -ताइबा का प्रॉक्सी संगठन है।उन्होंने चीन को भी ताकीद की थी, उन्होंने कहा था कि कोई भी देश कितना भी शक्तिशाली हो, अकेला काम नहीं कर सकता है, हमारे यहां सदियों से सर्वे जन सुखिनो भवन्तु की कहावत है, जिसका मतलब है कि शांति और समृद्धि के लिए सभी को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना पड़ता है। उन्होंने कहा था कि हमारे क्षेत्र में सभी समस्याओं का मूल कारण कट्टरपंथ और आतंकवाद है,आतंकवाद और शांति-समृद्धि साथ-साथ नहीं चल सकते, आतंकवाद को नीतिगत हथियार बनाने वाले और आतंकियों को पनाह देने वाले देशों को दोहरे मानदंड के लिए यहां जगह नहीं है। एससीओ को ऐसा करने वाले देश की आलोचना में संकोच नहीं करना चाहिए, हालांकि भारत के इस आग्रह के बावजूद चीन ने एससीओ का साझा घोषणापत्र तैयार करते समय पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का उसमें जिक्र नहीं किया है, जो उसके दोहरे मानदंड दिखाता है।एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में रक्षामंत्री ने कहा कि हमें सीमा पार से हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए ड्रोन सहित आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक का मुकाबला करने की कोशिश करनी चाहिए। हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया में पारंपरिक सीमाएं अब खतरों के खिलाफ एकमात्र बाधा नहीं हैं। इसके बजाय हम चुनौतियों के एक जटिल जाल का सामना कर रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और साइबर हमलों से लेकर हाइब्रिड युद्ध तक फैले हुए हैं। भारत आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के अपने संकल्प पर कायम है।%उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिए भारत की शून्य सहिष्णुता आज उसके काम से प्रकट होती है। इसमें आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का हमारा अधिकार भी शामिल है। हमने दिखाया है कि आतंकवाद के केंद्र अब सुरक्षित नहीं हैं और हम उन्हें निशाना बनाने में संकोच नहीं करेंगे। हमें अपने युवाओं में कट्टरपंथ के प्रसार को रोकने के लिए भी सक्रिय कदम उठाने चाहिए।एससीओ के आरएटीएस तंत्र ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

-एड किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया

पल पल बदलते ये दिन रात

समय परिवर्तनशील है द्य जिस प्रकार दिन -रात में परिवर्तित हो जाते हैं उसी प्रकार दुःख और सुख आकर अपनी भूमिका निभाकर चले जाते हैं द्य बस हमें उन्हें जीवन के अनुरूप ढ़ालना ही नहीं आता हैद्य दिन रात ये अपने आप बदलते जाते हैं और दे जाते हैं हमें नई सुबह की सौगातद्य वह बात अलग है कि हमें सुख के क्षणों में समय पता ही नहीं चलता और वह बहुत जल्दी अतिशीघ्र समाप्त हो जाते हैं जब दुःख आता है तो वह समय बीतता ही नहीं ऐसे लगता है मानो जैसे यह समय कब कटेगा दुःख और सुख के पैमाने बदल जाते हैं पर हम वहीं पर खड़े रह जाते हैं द्य दुःख चाहे किसी भी प्रकार का है वह दुःख ही कहलाता है चाहे वह किसी कार्य को शुरू न करने का हो या किसी प्रकार की कठिनाई का सामना करने का है अथवा मन की भावनाओं से जुड़ा हुआ हो द्य अब चाहे एक लड़की अपने माता-पिता के घर से विदा

हो या काफी समय के बाद आना हो या फिर अपने ठिकाने वापस जाना हो द्य मायके से जाने की वो पीड़ा वो दर्द शायद कभी समाप्त नहीं होताद्य वह अपनापन वह प्यार, बचपन की गलियां शायद जिंदगी भर मन के कोने में हमेशा विराजमान रहती हैंद्य जिस प्रकार दिन रात बदलते हैं वैसे ही एक लड़की अपने जीवन में न जाने कितने सुख दुःख सब झेलती है, फिर भी अपने आप को मजबूती से एक रास्ते की तरफ ले जाती हैद्य पल पल बदलते ये दिन रात आते जाते हैं और जीवन के नए रास्ते दिखा जाते हैं सोचिए जीवन में यदि दिन रात ना हो तो यह समय चक्र कैसे चलेगा? आने वाले समय के बारे में कैसे तटस्थ हो पाएँगेद्य पल पल बदलते यह दिन रात साथ ही साथ हमें शिक्षा भी देते हैं कि प्रकृति के साथ चलिए और स्वस्थ व निरोग भी रहिए हम भूल जाते हैं कि प्रकृति यदि समय पर सोती जागती है तो क्या हम भी यह सब नहीं कर सकते वह बात अलग है कि आज हर मनुष्य की जीवन शैली और रहने की परिपाटी सब परिवर्तित हो चुके हैं द्य उसके लिए हमें कुछ प्रयास करने होंगे छोटे-छोटे परिवर्तनों से ही आगे बढ़ सकते हैं माना आज हर मनुष्य की कार्य करने की प्रवृत्ति उसका ढंग सब अलग है रात-रात भर हम जाग कर काम करते हैं और सुबह सोने का प्रयास करते हैं आवश्यकता है स्वयं को बदलने की, कुछ सीमा तक तो यह बातें सही हैं पर सदैव इन बातों का पालन करना बहुत कठिन हो जाता है दिन रात बदलकर शायद हमें भी यही शिक्षा देते हैं कि समय पर खाना पीना सोना और अपने कार्य को करना हमारे लिए सदैव लाभकारी है यह धारणा उन मुद्दों या उन व्यक्तियों पर निर्भर नहीं करती शायद जो अपने कार्य के लिए भी इस काम के प्रति समर्पण है परंतु सदैव हम इन नीतियों का पालन नहीं कर सकते चलिए मिलकर ढूंढते हैं अपने हिस्से की खुशियाँ और अपने अनुरूप जीने की शैली और इस शैली में थोड़े परिवर्तन करने का एक नया ढंग, ताकि हम दिन रात के अनुरूप अपने आप को ढाल सकें और अपने हिस्से के दुःख सुख को बाँटने का प्रयास करें

वंदना घनश्याला की कलम से

आस्था

ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि दिन शनिवार

आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति, सभ्यता विरासत पुरातत्वों को बचाना अत्यंत ज़रूरी

भारतीय विज़न 2047 के विकास पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर ज़ोर देना समय की मांग युवाओं को भारतीय संस्कृति, सभ्यता विरासत पांडुलिपि कला, प्रथाओं धरोहर स्मारक के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत ज़रूरी-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियां के हर देश में विकास की एक आंधी सी चल रही है। हर देश वैश्विक वित्तीय मंचों संस्थाओं से अपने देश के लिए धन आवंटित कराने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, ताकि अपने देश को आधुनिकता की दिशा में आगे बढ़ा सकें।भारत ने भी अपना विज़न 2047 रूपी विकसित भारत का विकासपत्र तैयार किया है, जिसमें आगे बढ़ाने की प्लान हमने पूर्ण बजट1फ़रवरी 2025 में भी देखें। परंतु इस बजट में ध्यान देने योग्य बात यह है कि माननीय वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में देश के विकास पथ में विकास और विरासत दोनों पर सरकार के जोर को रेखांकित किया जो ध्यान देने योग्य बात है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संस्कृति मंत्रालय के लिए बजट में 100 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए 3360.96 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. मंत्रालय के भीतर, एक बड़ा हिस्सा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को गया है, जिसे 2024-25 में आवंटित 1273.91 करोड़ रुपये के मुकाबले 1,278.49 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसे संशोधित कर 1191.99 करोड़ रुपये कर दिया गया था.सरकार कल्चरल डेवलपमेंट तो चाहती है, लेकिन इसने शताब्दी और वर्षगांठ मनाने के लिए कार्यक्रमों के आयोजन में होने वाले बजट में बहुत कमी कर दी है, इन आयोजनों के लिए बजट 2024-25 में 110 करोड़ रुपये से घटाकर 2025-26 में सिर्फ 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। हालांकि, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती, संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ और अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जयंती जैसे प्रमुख समारोह अभी भी सरकार के समर्थन से मनाए जाएंगे अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक सहयोग के लिए निर्धारित धनराशि में तीव्र गिरावट देखी गई है।2024-25 में 10.50 करोड़ रुपये से 2025-26 में 4.65 करोड़ कर दी गई है एएसआई वह एजेंसी है जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों सहित 3,693 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों के संरक्षण, संरक्षण और विकास का कार्य सौंपा गया हैअन्य आवंटनों के अलावा, राष्ट्रीय पुस्तकालयों और अभिलेखागार के लिए 156.55 करोड़ रुपये अलग रखे गए हैं,जो ऐतिहासिक अभिलेखों और दस्तावेजों के रखरखाव को सुनिश्चित करते हैं।राष्ट्रीय संग्रहालय और राष्ट्रीय आधुनिक कला गैलरी जैसे संग्रहालयों को सांस्कृतिक संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने के लिए 126.63 करोड़ रुपये प्राप्त होंगे. प्राचीन लिपियों के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, पांडुलिपियों के लिए राष्ट्रीय मिशन को 60 करोड़ रुपये मिलेंगे, जो पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक है।इस बीच, सांस्कृतिक मानचित्रण पर राष्ट्रीय मिशन के लिए 22.46 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के तहत सांस्कृतिक गतिविधियों को समेकित करना है।सरकार संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और इंदिरा गांधी

राष्ट्रीय कला केंद्र जैसे स्वायत्त सांस्कृतिक संस्थानों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगी।इन निकायों को सामूहिक रूप से 411.42 करोड़ रुपये मिलेंगे, इसके अतिरिक्त, विक्टोरिया मेमोरियल और भारतीय संग्रहालय सहित संग्रहालयों को उनके प्रदर्शन और आउटरीच कार्यक्रमों को बढ़ाने के लिए 379.58 करोड़ रुपये दिए गए हैं। हमें भारत की पौराणिक व पारंपरिक संस्कृति विरासत पांडुलिपि धरोहर स्मारकों को सहेज कर रखने के लिए हमारी नई पीढ़ी, युवाओं को जागरूक करने की अत्यंत आवश्यकता है, जिसके लिए सरकार ने भी मेरा गांव मेरी धरोहर, भारतीय संस्कृति व विरासत के बारे में युवाओं में जागरूकता फैलाने व राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन तथा राष्ट्रीय संस्कृति कोष जैसी योजनाएं चल रहा है। चूंकि आधुनिक विकास की आंधी में भारतीय संस्कृति विरासत पुरातत्व पांडुलिपि को बचाना अत्यंत जरूरी है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारतीय विज़न 2047 के पथ में विकास के साथ संस्कृति व विरासत पर जोर देना समय की है, व युवाओं को भारतीय संस्कृति, विरासत, पांडुलिपि कला प्रथाओं धरोहर स्मारक के प्रति जागरूकता फैलाना अत्यंत ज़रूरी है। साथियों बात अगर हम केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय द्वारा मेरा गांव मेरी धरोहर योजना की करें तो,कला और संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय सहायता योजना का विवरण और योजना के लिए आवंटित धन का विवरणइस योजना में निम्नलिखित उप-घटक हैं वे,(1) राष्ट्रीय उपस्थिति वाले सांस्कृतिक संगठनों को वित्तीय सहायता इस योजना घटक का उद्देश्य पूरे देश में कला और संस्कृति को बढ़ावा देने में शामिल राष्ट्रीय उपस्थिति वाले सांस्कृतिक संगठनों को बढ़ावा देना और समर्थन करना है। यह अनुदान ऐसे संगठनों को दिया जाता है जिनके पास उचित रूप से गठित प्रबंध निकाय है, जो भारत में पंजीकृत है; इसके संचालन में राष्ट्रीय उपस्थिति के साथ अखिल भारतीय चरित्र होना; पर्याप्त कार्य शक्ति; और पिछले 5 वर्षों में से 3 वर्षों के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियों पर 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक खर्च किये हैं। इस योजना के अंतर्गत अनुदान की मात्रा 1.00 करोड़ रुपये है जिसे असाधारण मामलों में 5.00 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। (2) सांस्कृतिक समारोह एवंउत्पादन अनुदान इसयोजना घटक का उद्देश्य संगोष्ठी, सम्मेलन अनुसंधान कार्यशालाओं त्यौहारों प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, नृत्य, नाटक थिएटर, संगीत आदि के उत्पादन के लिए गैर सरकारी संगठनोंसोसाइटियों/ट्रस्टों/विश्वविद्यालयों आदि को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत एक संगठन के लिए अनुदान 5 लाख रुपये है जिसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये किया जा सकता है। असाधारण मामलों में 20.00 लाख रुपये हो सकता है। (3) हिमालय की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए वित्तीय सहायताइस योजना घटक का उद्देश्य ऑडियो विजुअल कार्यक्रमों के माध्यम सेअनुसंधान प्रशिक्षण और प्रसार के माध्यम से हिमालय की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और संरक्षित करना है।हिमालय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राज्यों यानी जम्मू और कश्मीर,हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। (4) बौद्ध तिब्बती संगठन के संरक्षण एवं विकास के लिए वित्तीय सहायता इस योजना के अंतर्गत बौद्ध/तिब्बती सांस्कृतिक और परंपरा के प्रचार-प्रसार और वैज्ञानिक विकास और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान में लगे मठों सहित स्वैच्छिक बौद्ध/तिब्बती संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। योजना घटक के अंतर्गत वित्त पोषण की मात्रा एक संगठन के लिए प्रति वर्ष 30.00 लाख है, जिसे असाधारण मामलों में 1.00 करोड़ तक बढ़ाया जा सकता है। (5) स्टूडियो थिएटर सहित भवन निर्माण अनुदान के लिए वित्तीय सहायता।इसयोजना घटक का उद्देश्य एनजीओ, ट्रस्ट, सोसायटी, सरकार को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इस योजना घटक के तहत सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे (यानी स्टूडियो थिएटर, ऑडिटोरियम, रिहर्सल हॉल, कक्षा आदि) के निर्माण और बिजली, एयर कंडीशनिंग, ध्वनिकी, प्रकाश और ध्वनि प्रणाली आदि जैसी सुविधाओं के प्रावधान के लिए प्रायोजित निकाय, विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि। अनुदान की अधिकतम राशि मेट्रो शहरों में 50 लाख रुपये तक और गैर-मेट्रो शहरों में 25 लाख रुपये तक है। (6) संबद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायताइस योजना घटक का उद्देश्य नियमित आधार पर और खुले/बंद क्षेत्रों/स्थानों में त्योहारों के दौरान सजीव प्रदर्शन का प्रत्यक्ष अनुभव देने के लिए संबद्ध सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए ऑडियो-विजुअल तमाशा को बढ़ाने के लिए संपत्ति के निर्माण के लिए सभी पात्र संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। (7) अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए योजनाऱ्यह योजना 2013 में संस्कृति मंत्रालय द्वारा देश की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत और विविध सांस्कृतिक परंपराओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न संस्थानों, समूहों, गैर सरकारी संगठनों आदि को पुनर्जीवित करने और पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी ताकि वे गतिविधियों/परियोजनाओं में संलग्न हो सकें। भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करना, सुरक्षा करना, संरक्षित करना और बढ़ावा देना।यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने आज राज्य सभा में एक लिखित उत्तर में दी।**–एड किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र गोंदिया**

दैनिक नवनीत एक्सप्रेस
राष्ट्रवादी विचार धारा | जय खेड़ापति सरकार
ग्वालियर,भोपाल से एक साथ प्रकाशित | संपादकः महेन्द्र तिवारी | न डरते है न डराते है, सब उजागर करते हैं

काजोल ने बताया खुशहाल शादी का फॉर्मूला

बॉलीवुड एजेंसी

बॉलीवुड के लोकप्रिय कपल्स में से एक अजय देवगन और काजोल की शादी को 26 साल हो चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में काजोल ने बताया कि दोनों की शादी इतनी लंबी इसलिए चली क्योंकि दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। काजोल ने मैशेबल इंडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, अगर हम एक जैसे होते, तो इतने साल नहीं लगते, बहुत पहले अलग हो जाते। काजोल ने कहा कि उनकी और अजय की सोच और एनर्जी में फर्क है। इसी से बैलेंस बना रहता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, खुशहाल शादी का राज है कि थोड़ा बहरे हो जाना और कुछ बातें भूल जाना। बता दें कि अजय और काजोल की पहली मुलाकात 1995 में हुई थी। 1997 में फिल्म इश्क के सेट पर दोनों करीब आए। फिर 1999 में शादी कर ली। इंटरव्यू में काजोल ने कहा, ÷हम डेट नाइट नहीं करते। हमारे पास फैमिली टाइम ही होता है। या तो वो काम पर होते हैं या मैं ट्रैवल कर रही होती हूं। इसलिए जब भी समय मिलता है, घर पर ही सबके साथ वक्त बिताते हैं। जब काजोल से पूछा गया कि क्या दोनों की बॉन्डिंग दोस्त जैसी है, तो उन्होंने कहा, इतने साल हो गए शादी को, अब ब्लश तो नहीं कर सकती उनके बारे में बात करते हुए। बता दें कि काजोल जल्द ही फिल्म मां में नजर आएंगी। मां 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को विशाल फुरिया ने डायरेक्ट और अजय देवगन, ज्योति देशपांडे और कुमार मंगत पाठक ने प्रोड्यूस किया है।

नीरू बाजवा ने हानिया आमिर को किया अनफॉलो!

बॉलीवुड एजेंसी

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर के चलते दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदार जी 3' विवादों में है। इस बीच अब फिल्म की लीड एक्ट्रेस नीरू बाजवा के इंस्टाग्राम प्रोफाइल से अचानक सरदार जी 3 से जुड़े सारे पोस्ट गायब हो गए। दरअसल, एक रेडिट यूजर ने लॉलीवुडस्पेस नाम के इंस्टा पेज की एक पोस्ट शेयर की। इसमें दावा किया गया था कि नीरू बाजवा ने फिल्म से जुड़े सभी पोस्ट हटा दिए हैं और हानिया आमिर को अनफॉलो भी कर दिया है। हालांकि, दैनिक भास्कर इस दावे की पुष्टि नहीं करता है। नीरू की लेटेस्ट पोस्ट उनकी अगली फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का टीजर से संबंधित है। उनके प्रोफाइल पर 'सरदार जी 3' से जुड़ी कोई पोस्ट नजर नहीं आ रही। वहीं, एक्टर पुनीत इस्सर ने सरदार जी 3 विवाद पर अपनी राय रखी है। इंस्टेंट बॉलीवुड से बात करते हुए उन्होंने कहा- मैं देशभक्त हूं, मेरे लिए देश पहले आता है। मुझे लगता है कि जब दिलजीत ने फिल्म शुरू की थी तब दोनों देशों के बीच सब ठीक था। उस समय वहां के कलाकार हमारे साथ काम कर रहे थे और किसी ने एतराज नहीं किया, लेकिन मुझे लगता है कि हमें अपने देश के लिए आत्म-सम्मान होना चाहिए। पुनीत इस्सर ने आगे कहा, हमें पता होना चाहिए कि हमारे गुरुओं ने हमारे लिए क्या किया है। दिलजीत ये सब भूल गए हो। क्या तुम्हें नहीं पता कि गुरु गोविंद सिंह के चार बेटे शहीद हुए थे? गुरु तेग बहादुर जी ने अपने धर्म की रक्षा के लिए जान दी थी।

सलमान खान ने खरीदी बुलेटप्रूफ कार

बॉलीवुड एजेंसी

बुलेटप्रूफ लग्जरी शामिल की है। इसमें बुलेटप्रूफ फीचर जैसे आर्मर्ड बॉडी पैनल और रिइनफोर्स्ड ग्लास हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, बुलेटप्रूफ मर्सिडीज-मेबैक जीएलएस 600 कार की कीमत लगभग 3.40 करोड़ रुपए बताई जा रही है। यह सलमान की पहली बुलेटप्रूफ कार नहीं है। उनके पास पहले से भी एक बुलेटप्रूफ कार है। न्यूज 18 के मुताबिक, यह कार सिर्फ प्रीमियम स्ङ्क नहीं है। इसमें 4.0-लीटर ट्विन-टर्बो ङ्क8 इंजन और 48ङ्क माइल्ड-हाइब्रिड सिस्टम है। इसमें 9-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन और 4ऋ्रङ्घष्ट ऑल-व्हील ड्राइव है। यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार सिर्फ 4.9 सेकेंड में पकड़ सकती है। इसकी टॉप स्पीड करीब 250 किलोमीटर प्रति घंटा है। बता दें कि पिछले महीने 20 मई को सलमान खान के घर में एक शख्स के घुसने का मामला सामने आया था। पुलिस ने बताया था कि 23 साल के आरोपी का नाम जीतेंद्र कुमार है और छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। साथ ही पिछले महीने ईशा छाबड़ा नाम की महिला ने भी गैलेक्सी अपार्टमेंट में घुसने की कोशिश की थी। दोनों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया था। सलमान की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी संदीप नारायण की शिकायत पर बांद्रा पुलिस ने स्नढ्ढक्र दर्ज की थी। संदीप ने बताया था कि 20 मई की सुबह 09.45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति को गैलेक्सी अपार्टमेंट बिल्डिंग के आसपास घूमते देखा गया। मैंने उसे समझाया और उसे चले जाने को कहा।

राम कपूर के कमेंट पर भड़के अनुपमा के वनराज

बॉलीवुड एजेंसी

अनुपमा फेम सुधांशु पांडे ने राम कपूर की आपत्तिजनक कमेंट पर रिएक्शन दिया है। साथ ही सुधांशु ने पूरी टीवी इंडस्ट्री की तरफ से राम के बयान पर माफी मांगी। सुधांशु पांडे ने फिल्मी बीट को दिए इंटरव्यू में कहा, मुझे ऐसा लगता है कि पहली बात अगर राम ने ऐसा किया तो वो राम का नाम खराब कर रहा है, सबसे पहले तो ये। दूसरा, मुझे ऐसा लगता है कि अगर आप मानसिक रूप से अस्थिर हैं तभी आप इस तरह की बात करेंगे। सुधांशु पांडे ने आगे कहा, किसी भी लड़की के कपड़ों के बारे में या उसके बारे में, और वो भी अगर इतना आपकी क्लोज प्रॉक्सिमिटी में है, अगर कोई इंटरव्यू ले रहा है या कुछ, आप उसके बारे में बोले, मुझे लगता है कि ये मानसिक अस्थिरता का एक लक्षण है, बहुत तगड़ा। सुधांशु ने कहा आगे ये भी कहा, मुझे ऐसा लगता है क्योंकि आमतौर पर आदमी, हम लोग तो हर किसी के प्रति इतना रिस्पेक्टफुल रहते हैं, तो लड़कियां तो बहुत बड़ी बात हो गई ना। किसी भी औरत के लिए अगर आप डिसरिस्पेक्टफुल वर्ड यूज कर रहे हैं या कुछ ऐसा जेस्चर यूज कर रहे हैं, तो वो बहुत मुझे लगता है गलत स्पेस में हम है और अगर मुझे पता नहीं, आपने मुझे बताया अगर राम ने ऐसा बोला है तो डेफिनेटली ये एक बहुत ही गलत स्पेस है और अगर ऐसा हुआ है इसलिए मैं माफी मांगता हूं खेद है कि मेरी फ्रैटर्निटी के किसी व्यक्ति ने ऐसा कुछ किया है।

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे बनने वाली हैं मां?

बॉलीवुड एजेंसी

रियलिटी शो लाफ्टर शेफ्स 2 का लेटेस्ट प्रोमो सामने आया है, जिसमें टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे यह कहती हुई नजर आ रही हैं कि वह प्रेग्नेंट हैं। उनके इस बयान के बाद से फैंस काफी खुश हैं और उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। हालांकि, इस मामले में अब तक कपल ने कोई भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है। लाफ्टर शेफ्स 2 के लेटेस्ट प्रोमो में देखा जा सकता है कि कृष्णा अभिषेक मस्ती भरे अंदाज में अंकिता लोखंडे के हाथ से एक सामग्री छीनकर भागते नजर आते हैं। अंकिता उन्हें पकड़ने के लिए दौड़ने की कोशिश करती हैं, लेकिन तुरंत रुक जाती हैं और कहती हैं मैं प्रेग्नेंट हूं, मैं भाग नहीं सकती। इसके बाद कृष्णा अभिषेक गाना गाने लगते हैं, आज हमारे घर में आ रहा लल्ला है, तभी करण कुंद्रा तेजी से अंकिता के पास आते हैं और पूछते हैं कि क्या वह सच में प्रेग्नेंट हैं। इस पर अंकिता शर्मा जाती हैं लेकिन कोई जवाब नहीं देतीं। अब इस वीडियो को देखने के बाद फैंस जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'अब तक की सबसे अच्छी खबर। अंकिता मम्मी बनने वाली हैं।', दूसरे ने कमेंट किया,'बधाई मैम।', तीसरे ने लिखा, 'मैं पहले से ही सोच रही थी कि कहीं अंकिता प्रेग्नेंट तो नहीं हैं। अंकिता लोखंडे ने 14 दिसंबर 2021 को अपने मंगेतर विक्की जैन के साथ शादी की थी। दोनों के शादी की कुछ फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। अंकिता और विक्की ने एक-दूसरे को साल 2018 में डेट करना शुरू किया था। विक्की पेशे से एक बिजनेसमैन हैं। इससे पहले अंकिता ने दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को डेट किया था।

रोटी को तरसे, घाटों पर गाने भी गए पुलिस ने आतंकी समझकर पीटा, मनोज तिवारी ने संघर्ष से कमाया नाम और कहलाए भोजपुरी के अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड एजेंसी

अभाव के पलों से मुकाम तक पुल कैसे बनाया जाता है, मनोज तिवारी इसका बेहतरीन उदाहरण हैं। कभी भूख मिटाने के लिए उनको भरपेट रोटी भी नसीब नहीं थी। स्कूल जाने के लिए कई-कई किलोमीटर पैदल चले। नाम बनाने की कोशिश में कभी दिल्ली-मुंबई के प्लेटफॉर्म पर रातें गुजारीं तो कभी जेब का वजन देख होटल से भूखे वापस लौटे। लेकिन मनोज ने दुष्यंत कुमार की लाइन 'कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारो' को सच कर दिखाया। इन्होंने अपनी मेहनत से अपने दिन ऐसे फेरे कि आज उनके पास गाड़ी, बंगला, नाम, शोहरत सब है। मैंने बहुत छोटी उम्र में पिताजी को खो दिया था। मेरे पिताजी शास्त्रीय संगीत के गायक थे, तो मैं उन्हें सुनाता था। पिताजी के रहते तो मुझे पता भी नहीं था कि मैं संगीत में जाऊंगा। मुझे इतना याद है कि पिताजी मुझे अपनी गोद में लेकर सोते थे। पीठ पर थपकी देते समय कुछ गाते थे। शायद वहीं से मेरे अंदर संगीत की रुचि बढ़ी। अब जब मैं अपने पिताजी को याद करता हूं तो वो मुझे संत समान लगते हैं। उनका स्वभाव संत जैसा था। उन्हें जिससे प्रेम मिलता था, उसी के हो लेते थे। उनका व्यवहार बहुत अच्छा था। लोग आज भी बहुत तारीफ करते हैं। कई लोग आज भी मुझे उनके नाम से ही जानते हैं। हम छह भाई-बहन थे। हमारी परवरिश में मां ने अथक परिश्रम किया है। मुझे मेरी मां में भगवान दिखता है। मेरी मां गोबर के उपले बनाती थी। वो गाय-भैंस से दूध खुद निकालती थी। बस

पकड़ने के लिए चार-चार किलोमीटर पैदल चलती थी। उस वक्त हमारे लिए ट्रैक्टर सबसे बड़ा साधन होता था। ट्रैक्टर ट्रॉली में 20-25 लोग के साथ बैठकर 40 किलोमीटर तक की यात्रा करते थे। मैं स्कूल जाने के लिए चार-चार किलोमीटर पैदल चलता था और उस वक्त मैं भागता था। जब मैं दौड़ता तो लोग कहते थे कि वो देख मनोज दौड़ा रहा है। इतनी गरीबी थी कि साइकिल तक खरीद नहीं पाया कभी। हां, लेकिन जब मेरे दिन बहुरे, तब सीधे चार चक्का खरीदा। मैं भले बिहार से हूं, लेकिन मेरा बनारस से भी उतना ही लगाव रहा है। जन्म बनारस में हुआ, पढ़ाई भी वहीं हुई। पढ़ाई के दौरान ही मैंने बनारस के घाटों पर गाना शुरू किया था। वहां गाते-गाते फिर एक दिन मुझे गंगा आरती में गाने का मौका मिला। फिर मैंने मंदिरों में जगराता गाना शुरू किया। भक्ति गानों की वजह से मुझे लोग जानने लगे थे। एक बार शिवरात्रि के मौके पर मैं शीतला घाट और अर्दली बाजार के महावीर मंदिर में परफॉर्म कर रहा था, तभी मेरे सिर से खून बहने लगा। मैं पहले से ही घायल था, लेकिन परफॉर्मेंस के बीच मुझे न तो दर्द का पता चला और न खून का। इस एक घटना और मेरे भक्ति गानों की वजह से लोग मुझे जानने लगे थे। इसके बाद मुझे फिल्मों में गाने का ऑफर मिलने लगा। फिर मेरा एलबम 'बगलवाली' आया, जिसने मुझे फेमस कर दिया। उस वक्त सोशल मीडिया का जमाना नहीं था। लोग मुझे मेरी आवाज से पहचानते थे। 1997 का साल था, जब मैं अस्सी घाट पर भयानक पुलिस लाठीचार्ज का शिकार हुआ। मैं उस वक्त काशी विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन कर रहा था। एक दिन हम 30-35 दोस्त अस्सी घाट पर पार्टी कर रहे थे। वहीं पास में पीएससी की टुकड़ी रहती थी। मैं गाने की फील्ड में नया-नया उभरा था। एक साल पहले ही मेरा गाना आया था। दोस्तों ने कहा कि हम लोग खाने की तैयारी कर रहे हैं, तुम गाना गाओ। जब मैं गा रहा था, तब कुछ लोग डिस्टर्ब करने लगे। मेरे दोस्तों में से किसी एक ने सामने वाले बंदे को धक्का दे दिया। मेरे दोस्त ने जिसे धक्का दिया, वो पुलिस का डिप्टी एसपी था। उसने फिर अपनी टुकड़ी को ये बोला कि इस घर में सारे आतंकवादी हैं।

वॉटर स्नॉर्कलिंग नहीं, अब Land Snorkelling बना ट्रैवलर्स की पहली पसंद; भारत में इन जगहों पर लें मजा

हाल ही में लैंड स्नॉर्कलिंग नाम का एक नया ट्रैवल ट्रेंड सामने आया है, जो पानी से संबंधित नहीं है। इसमें यात्री बिना किसी फि?क?स्?ड डेस्?टि?नेशन या दूरी के नेचर को करीब से देख सकते हैं। यह ट्रैकिंग से अलग है क्योंकि इसमें कोई तय डेस्टिनेशन नहीं होता। घूमना सी को खूब पसंद होता है। ट्रैवलि?ंग की दुनि?या में नई-नई चीजें ट्रेंड करती हैं। उन्हीं में से एक हैं। लाइफसटाइल डेस्क, नई दल्ली। घूमना भला कि?से नहीं पसंद होता है। ट्रैवल की दुनिया में भी अलग-अलग चीजें ट्रेंड करती रहती हैं। हर कोई पहाड़ों पर घूमने जाना पसंद करता है। किसी को एडवेंचर पसंद होता है तो कोई शांति? की तलाश में पहाड़ों पर जाता है। अभी कुछ दनिं पहलें Naked Flying का ट्रेंड छाया हुआ था। वहीं अब लोगों को स्नुठ्ठस्त्र Snorkelling खूब पसंद आ रहा है। स्नॉर्कलिंग के बारे में तो आपने सुना ही होगा। अगर आप स्नॉर्कलिंग का मतलब सिर्फ कोरल रीफ पर क्रिस्टल-क्लियर वॉटर में तैरने को समझते हैं, खास तौर पर अगर आप अंडमान में हैं, तो 2025 में आपकी सोच पूरी तरह से बदल जाएगी। इस समय लोगों को लैंड वॉटर स्नॉर्कलिंग नहीं, अब बना ट्रैवलर्स की पहली पसंद; भारत में इन जगहों पर लें मजा हाल ही में लैंड स्नॉर्कलिंग नाम का एक नया ट्रैवल ट्रेंड सामने आया है, जो पानी से संबंधित नहीं है। इसमें यात्री बिना किसी फिक्स्ड डेस्टनिशन या दूरी के नेचर को करीब से देख सकते हैं। यह ट्रैकिंग से अलग है क्योंकि इसमें कोई तय डेस्टिनेशन नहीं होता। ठ्ठद्द

दि?ल्?ली। घूमना भला कसे नहीं पसंद होता है। ट्रैवल की दुनि?या में भी अलग-अलग चीजें ट्रेंड करती रहती हैं। हर कोई पहाड़ों पर घूमने जाना पसंद करता है। किसी को एडवेंचर पसंद होता है तो कोई शांत? की तलाश में पहाड़ों पर जाता है। अभी कुछ दनों पहल आप अपनी यात्रा को खुलकर जी सकें। अगर आपको ट्रैकि?ंग पसंद है तो आप इसे करते हैं। इसमें आपको मालूम होता है क आपका डेस्टनेशन कहां है, लेकनि लैंड स्नॉर्कलगि में कोई दूरी तय नहीं होती है। न तो कोई फि?क?स डेस्टनिशन होता है। बस आप चलते जाते हैं। इस दौरान आप नेचर को करीब से महसूस कर पाते हैं।अमेरिका में झील में सैर-सपाटा कर रहे थे लोग, अचानक आया तूफान और चार लोगों चली गई जान; बर्थडे पार्टी पर परसा मातम इंडीया में कहां कर सकते हैं उत्तराखंड का वैली ऑफ फ्लॉवर्स यहां आपको कलरफुल फ्लॉवर्स, नमी वाली चट्टानें और कई तरह की जड़ी बूटि?यां देखने को मि?लेंगी। आप जब यहां पर वॉक करेंगे तो नेचर की खूबसूरती को करीब से देख पाएंगे। कर्नाटक का चिकमंगलूर भी खूबसूरती के मामले में कि?सी से कम नहीं है। यहां पर कॉफी के बागान और घने जंगल बारिश के मौसम में बेहद खूबसूरत हो जाते हैं। ये जगह लैंड स्नॉर्कलिंग के लिए परफेक्ट है। हिमाचल प्रदेश का चंद्रताल काफी ऊंचाई पर है। चंद्रताल झील पर आपको छोटे-छोटे फूल और पत?थरों पर नेचुरली उभरी हुई आकृतियां आपको दीवाना बना देंगी।

इन बीमारियों को मैनेज करने में रामबाण की तरह काम करता है लौकी का जूस, जानिए

लौकी के रस में भरपूर मात्रा में पानी, फाइबर और ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज तक में असरदार हैं। साथ ही साथ, इसमें कैलोरी बहुत कम होती है, इसलिए अगर आप अपना वज़न कम करना चाहती हैं तो भी यह एक अच्छा ऑप्शन है। कहते हैं पहला सुख निरोगी काया। लेकिन हेल्दी रहने के लिए सबसे जरूरी होता है कि आप अपनी डाइट पर खास ध्यान दिया जाए। ऐसी कई सब्जियां होती हैं, जिन्हें डाइट में शामिल करना सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इन्हीं में से एक है लौकी। जिसे आप बतौर जूस ले सकते हैं। अगर सुबह खाली पेट इसका एक गिलास पिया जाए तो इससे ना केवल शरीर अच्छे से डिटॉक्स होता है, बल्कि पाचन सुधरता है और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं खुद ब खुद ही ठीक हो जाती है। दरअसल, लौकी के रस में भरपूर मात्रा में पानी, फाइबर और ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जो ब्लड प्रेशर से लेकर डायबिटीज तक में असरदार हैं। साथ ही साथ, इसमें कैलोरी बहुत कम होती है, इसलिए अगर आप अपना वज़न कम करना चाहती हैं तो भी यह एक अच्छा ऑप्शन है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि लौकी का जूस पीने से आप किन स्वास्थ्य समस्याओं को मैनेज करने में काफी मदद मिल सकती है- गर्मियों में बच्चों को डायरिया और डिहाइड्रेशन का होता है अधिक खतरा, ऐसे रखें उनका खास ख्याल

हाई बीपी

जिन लोगों को हाई बीपी की शिकायत रहती है, उन्हें लौकी के जूस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। दरअसल, इसमें पोटैशियम अच्छा खासा होता है, जो शरीर में सोडियम को बैलेंस करता है और नसों को रिलैक्स करता है। यही वजह है कि सुबह खाली पेट एक गिलास बिना नमक वाला ताजा लौकी जूस पीने से उन्हें काफी फायदा मिलता है।

डायबिटीज़

अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो भी आप लौकी के जूस को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। दरअसल, लौकी का जूस न ज्यादा कैलोरी वाला होता है और न ही मीठा, इसलिए यह शुगर कंट्रोल के लिए एक बढ़िया ऑप्शन हो सकता है। साथ ही साथ, इसमें फाइबर होता है जो खाने को धीरे-धीरे पचने देता है, जिससे आपको ब्लड शुगर स्पाइक नहीं होता है। इससे इंसुलिन सेंसेटिविटी भी बेहतर होती है।

कब्ज़ और गैस

जिन लोगों का पेट अच्छी तरह साफ नहीं होता या उन्हें दिनभर गैस आदि की प्रॉब्लम रहती है, उन्हें लौकी का जूस पीना चाहिए। ये पेट को ठंडक देता है। साथ ही साथ, फाइबर रिच होने की वजह से आपकी कब्ज की शिकायत भी दूर होती है। पाचन के लिए लौकी का जूस काफी अच्छा माना गया है, क्योंकि इससे गैस, एसिडिटी जैसी दिक्कतों से भी राहत मिलती है।

लिवर की समस्या

अगर आपको लिवर से जुड़ी कोई समस्या है तो ऐसे में आपको लौकी का जूस पीना चिहए। लौकी का जूस लिवर को डीटॉक्स करता है। साथ ही साथ, इससे लिवर को ठंडक मिलती है ।

पश्चिम बंगाल के इन बीचेज पर पार्टनर संग बिताएं रोमांटिक पल, यादगार होगा हर लम्हा

पश्चिम बंगाल देश का एक ऐसा राज्य है, जो शानदार और रोमांटिक बीचेज के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में आज हम आपको उन रोमांटिक बीचेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन और सुकून के पल बिता सकते हैं। घूमने के शौकीन लोग अक्सर घूमने का प्लान बनाते हैं। वहीं कपल्स घूमने के लिए किसी ऐसी जगह की तलाश करते हैं, जहां पर वह अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकें। जब कपल्स रोमांटिक और सुकून भरा पल बिताने के लिए किसी जगह की तलाश करते हैं, तो उनकी लिस्ट में मनमोहक और खूबसूरत बीचेज भी शामिल रहता है। पश्चिम बंगाल देश का एक ऐसा राज्य है, जो शानदार और रोमांटिक बीचेज के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन रोमांटिक बीचेज के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ हसीन और सुकून के पल बिता सकते हैं।

दीघा बीच

पश्चिम बंगाल में स्थित सबसे रोमांटिक और खूबसूरत बीच घूमने के लिए कई कपल्स सबसे पहले दीघा बीच पहुंचते हैं। यह बीच पूरे पश्चिम बंगाल का भी मुख्य आकर्षण का केंद्र माना जाता है। यहां पर देश के हर कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। अपने दोस्तों के साथ यास आइलैंड, अबू धाबी में जिंदगी को यास बोलें !

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में स्थित दीघा बीच अपनी कई चीजों के कारण रोमांटिक बन जाता है। यहां के बीचेज से सूर्योदय और सूर्यास्त के लुभावने दृश्यों के अलावा सुनहरी रेत के लिए भी फेमस है। दीघा बीच कैसुरीना के बागानों से भी घिरा है। इसलिए इस बीच को एक परफेक्ट रोमांटिक प्लेस माना जाता है। ताजपुर बीच पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर जिले में स्थित ताजपुर बीच भी काफी फेमस है। यहां पर सिर्फ स्थानीय पर्यटक नहीं बल्कि अन्य कई राज्यों से भी पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह अपने शांत और शुद्ध वातावरण के लिए भी जाना जाता है। ताजपुर बीच अपनी खूबसूरती से कपल्स को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर कई कपल्स सूर्योदय और सूर्योस्त के दृश्यों को देखते हुए हसीन पल बिताने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर एक तरफ बंगाल की खाड़ी है, तो दूसरी ओर हरियाली है। यहां पर कपल्स वाटर स्पोर्ट्स का लुत्फ उठा सकते हैं।

Mrunal Thakur का पसंदीदा है यह मास्क, स्किन और बाल दोनों ही रहेंगे मस्त-मस्त, जानें बनाने का तरीका

अगर आप भी हेयर और स्किन को स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो आप मृणाल ठाकुर का फेवरेट मास्क को जरुर ट्राई करें। यह मास्क आपकी स्किन और हेयर को भी हेल्दी रखेगा। बादाम तेल में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन और हेल्दी को बेहतर बनाता है। मृणाल ठाकुर अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती है। एक्ट्रेस की कई सारी फिल्में हिट भी हुई। एक इंटरव्यू में मृणाल ने अपने खूबसूरत बालों और स्किन का सीक्रेट शेयर किया था। जिसमें उन्होंने बताया कि मात्र एक चीज की मदद से कैसे उन्हें महंगे प्रोडक्ट्स की जरुरत नहीं पड़ती है और बालों के साथ ही स्किन भी चमकदार बना सकते हैं। यदि आप भी चाहती हैं आपके बाल घने और मजबूत रहें इसके साथ ही स्किन भी हेल्दी और शाइन करें, तो इस मास्क को जरुर लगाएं।

स्किन और हेयर्स के लिए यूज़ करें बादाम का तेल

रोजाना बादाम का तेल प्रयोग करें इससे आपकी स्किन और बाल हेल्दी रहेंगे। बता दें कि, बादाम के तेल में विटामिन ई के साथ ही ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। जो आपकी स्किन में हाइड्रेशन को बरकरार रखता है। बादाम के तेल में मौजूद लिनोलिक एसिड स्किन बैरियर को बढ़ाता है और हाइड्रेट रखता है। वहीं, हेयर्स पर बादाम का तेल लगाने से बाल मजबूत बनते हैं। क्योंकि इसमें बायोटीन पाया जाता है, जो कि हेयर फॉल को रोकता है।

बादाम तेल से बनाएं मास्क

बादाम तेल का मास्क बनाने के लिए आपको बादाम तेल और एलोवेरा जेल चाहिए। इसे बनाने के लिए किसी मिट्टी के बर्तन में बादाम का तेल लें और उसमें थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिलाकर मिक्स कर लें। इस क्रीमी पेस्ट को बालों की जड़ों पर लगाएं और इसे आधे से एक घंटे के लिए छोड़ दें। फिर बालों में शैंपू कर लें। सप्ताह में दो से तीन बार इस हेयर मास्क को जरुर लगाएं। आपको कुछ समय में ही असर दिखेंगा।

चेहरे पर लगाएं बादाम का तेल

रात को सोने से पहले रोजाना चेहरे को फेसवॉश करने के बाद बादाम के तेल की कुछ बूंदों को लेकर चेहरे पर लगाएं। रोजाना इस रुटीन को फॉलो करें इससे आफकी स्किन ग्लोइंग और यूथफुल नजर आएगी।

यूपी में मिला 600 किलो मिलावटी दही - लिवर के लिए खतरनाक,

जरूरत की खबर- यूपी में मिला 600 किलो मिलावटी दही-लिवर के लिए खतरनाक, स्वस्थ्य ने बताए मिलावट की पहचान करने के 3 आसान तरीके

1 दिन पहले

खाने-पीने की चीजों में मिलावट एक गंभीर समस्या बन गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों से आए दिन मिलावटी दूध, पनीर, तेल जैसी चीजों की खबरें सामने आती हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां 600 किलो मिलावटी दही पकड़ा गया है, जिसे चाट-फुल्की की दुकानों और छोटे दुकानदारों को सप्लाई किया जा रहा था। इस तरह का दही खाना बेहद खतरनाक हो सकता है। इससे पाचन तंत्र बिगड़ सकता है, फूड पॉइजनिंग हो सकती है और कई बार यह स्थिति गंभीर बीमारी तक पहुंच सकती है। इसलिए दही खरीदने से पहले हमें सतर्क और सावधान रहने की जरूरत है। तो चलिए, जरूरत की खबर में आज बात करेंगे कि मिलावटी दही खाना कितना खतरनाक है। साथ ही जानेंगे कि- ये मिलावटी दही कैसे बनाया जाता है? मिलावटी दही की पहचान कैसे करें? इससे बचने के लिए क्या सावधानियां जरूरी हैं? एक्सपर्ट- डॉ. अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, नई दिल्ली सवाल- दही में मिलावट कैसे की जाती है? वाब- मिलावटखोर दही को गाढ़ा, सफेद और लंबे समय तक फ्रेश बनाए रखने के लिए उसमें हाइड्रोजेनेटेड ऑयल या सस्ते वनस्पति तेल की मिलावट करते हैं। इस तरह के तेलों में ट्रांस फैटी एसिड की मात्रा अधिक होती है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है।कुछ मामलों में सिंथेटिक दूध या पहले से ही मिलावटी दूध का इस्तेमाल करके भी दही जमाया जाता है। ऐसे दूध में डिटर्जेंट, यूरिया, स्टार्च या शैंपू जैसे केमिकल्स मिले हो सकते हैं, जो दही की बनावट तो ठीक रखते हैं, लेकिन खाने योग्य नहीं होते हैं। सवाल- मिलावटी दही को खाना सेहत के लिए कितनी खतरनाक है? जवाब- डाइटीशियन डॉ. अमृता मिश्रा बताती हैं कि दही एक नेचुरल प्रोबायोटिक होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत करता है और इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है। लेकिन जब इसमें हाइड्रोजेनेटेड ऑयल, सिंथेटिक दूध या केमिकल्स मिलाए जाते हैं तो इसका असर उल्टा हो जाता है। इससे पेट से जुड़ी समस्याओं से लेकर लिवर और किडनी को नुकसान पहुंच सकता है। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह ज्यादा खतरनाक है। डॉ. मिश्रा कहती हैं कि ऐसे मामलों में सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोग इसे सामान्य दही समझकर बार-बार खाते रहते हैं, जिससे धीरे-धीरे शरीर में टॉक्सिन्स जमा हो जाते हैं और इम्यून सिस्टम कमजोर पड़ जाता है।

सवाल- दही की शुद्धता कैसे जांच सकते हैं?

जवाब- इसे लेकर फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कुछ आसान घरेलू जांच के तरीके सुझाए हैं। इससे दही की क्वालिटी और शुद्धता की जांच कर सकते हैं। इसे नीचे दिए ग्राफिक से समझिए- सवाल- बाजार से दही खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- दही जैसे डेयरी उत्पाद सीधे आपकी सेहत से जुड़े होते हैं। इनमें मिलावट या संक्रमण होना खतरनाक है। इसलिए बाजार से दही खरीदते समय कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आप खराब या मिलावटी दही से बच सकें।

पंत-गिलक्रिस्ट या धोनी, 44 टेस्ट के बाद किसके आंकड़े कितने बेहतर? स्टैट्स देख खुली रह जाएंगी आंखें

नई दिल्ली एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में ऋषभ पंत का बल्ला जमकर बोला। उन्होंने लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़े। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बने। पंत ने पहली पारी में 134 रन और दूसरी पारी में 118 रन बनाए। पंत की उम्र अभी 27 साल की है और वह दुनिया के दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वह भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के कई रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। इतना ही नहीं अभी तक अपने 44 टेस्ट के करियर में उन्होंने कई और उपलब्धियां भी हासिल की हैं। उनकी तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट से होने लगी है। आइए जानते हैं कि 44 टेस्ट के बाद पंत, गिलक्रिस्ट और धोनी में किसके आंकड़े ज्यादा बेहतर रहे...

पंत ने 44 टेस्ट की 77 पारियों में अब तक 44.44 की औसत से 3200 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 74.03 का रहा है। पंत ने अभी तक टेस्ट में 15 अर्धशतक और आठ शतक जमाए हैं। वह रन बनाने के मामले में गिलक्रिस्ट और धोनी दोनों से काफी आगे हैं। हालांकि, औसत, स्ट्राइक रेट और अर्धशतक में गिलक्रिस्ट 44 टेस्ट के बाद उनसे आगे थे। गिलक्रिस्ट ने 44 टेस्ट की 62 पारियों में 58.80 के बेहतरीन औसत से 2940 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 82.65 का रहा था। गिलक्रिस्ट ने 44 टेस्ट में 16 अर्धशतक और आठ शतक लगाए थे। धोनी बाकी दोनों की तुलना में काफी पीछे थे। उन्होंने 44 टेस्ट की 68 पारियों में 41.77 की औसत से 2465 रन बनाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 60.96 रहा था। धोनी ने 44 टेस्ट के बाद 17 अर्धशतक और चार शतक लगाए थे।

गिलक्रिस्ट ने ऑस्ट्रेलिया के लिए कुल मिलाकर 96 टेस्ट खेले और इसकी 137 पारियों में 47.61 की औसत से 5570 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट (81.96) भी शानदार रहा। गिलक्रिस्ट ने टेस्ट करियर में 26 अर्धशतक और 17 शतक जड़े। हाल ही में भारत के पूर्व कोच और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने पंत को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था, %जब मैंने पहली बार उन्हें देखा तो उसने मुझे एडम गिलक्रिस्ट की याद दिला दी। बेशक एक अलग तरह का खिलाड़ी। जब एक विकेटकीपर उस स्तर पर बल्लेबाजी कर सकता है और तेजी से रन बना सकता है तो यह टीम के लिए कितना बड़ा अंतर पैदा कर सकता है, आप समझ सकते हैं।%

उन्होंने कहा, %खूबसूरती यह है कि ऋषभ बहुत तेजी से रन बनाते हैं, जिससे आपको क्रिकेट मैच जीतने का समय मिल जाता है। उनका प्रदर्शन शानदार था। उन्होंने जो शॉट खेले उनमें से कुछ एमसीसी की खेल नियमावली में नहीं थे। वह एक बल्लेबाज के रूप में खेल को नया रूप दे रहे हैं। आधुनिक तकनीक के साथ बल्ले बहुत अलग हैं और आप ऐसे शॉट खेल सकते हैं जो पुराने जमाने में संभव नहीं थे। उन्हें देखना रोमांचक है। आप कभी नहीं जानते कि पहली गेंद से उनसे क्या उम्मीद की जाए। किसी भी स्तर पर वह तेज गेंदबाजों के लिए खिलाफ आगे बढ़कर या गिरते हुए रैंप शॉट खेल सकते हैं। आप कभी नहीं जानते कि क्या उम्मीद करनी है। इससे विपक्षी टीम सतर्क रहती है। वह मैच विजेता हैं और उन्होंने लीड्स टेस्ट में लगभग अंतर पैदा कर दिया था। पंत बल्लेबाजों की नवीनतम आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए। पंत एंडी फ्लॉवर के बाद दूसरे ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए जिन्होंने टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाए हैं।

त्रिकोणीय टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम का एलान, बेबी एबी ब्रेविस की दो साल बाद वापसी

केप टाउन एजेंसी। ब्रेविस ने आईपीएल 2025 में रिप्लेसमेंट के तौर पर आने के बाद शानदार प्रदर्शन किया था। चेन्नई सुपर किंग्स से खेलते हुए उन्होंने छह मैचों में 180 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए थे। इसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। रसी वान डर डुसेन को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। वहीं, बेबी एबी के नाम से मशहूर डेवाल्ड ब्रेविस को आईपीएल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। उन्होंने करीब दो साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की है। 22 साल के ब्रेविस ने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगस्त 2023 में किया था। इस सीरीज के बाद उन्हें पिछले दो वर्षों में मौका नहीं मिला। अब उन्होंने वापसी की है। ब्रेविस ने आईपीएल 2025 में रिप्लेसमेंट के तौर पर आने के बाद शानदार प्रदर्शन किया था। चेन्नई सुपर किंग्स से खेलते हुए उन्होंने छह मैचों में 180 के स्ट्राइक रेट से 225 रन बनाए थे। इसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। ब्रेविस ने मैच फिनिशर का रोल बखूबी निभाया था। इसी प्रदर्शन का इनाम उन्हें मिला है। अगले साल टी20 विश्व कप भी होना है। इसी को ध्यान में रखते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम तैयार की जा रही है।कप्तान डुसेन और ब्रेविस के अलावा टीम में कॉर्बिन बॉश, नांद्रे बर्गर, गेराल्ड कोएत्जी और रीजा हेंड्रिक्स अपनी जगह बचाने में कामयाब रहे। वहीं, रुबिन हरमैन, जॉर्ज लिंडे, क्वेन मफाका और लुंगी एनगिडी भी हैं। इसके अलावा सेनुरन मुथुस्वामी, नकाबा पीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस और एंडिले सिमलाने को भी स्क्वॉड में जगह मिली है। दक्षिण अफ्रीका की टीम 14 से 26 जुलाई के बीच न्यूजीलैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला मैच 14 जुलाई को जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फिर 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से, 18 जुलाई को जिम्बाब्वे का मुकाबला न्यूजीलैंड से, 20 जुलाई को जिम्बाब्वे का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से, 22 जुलाई को न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से और 24 जुलाई को जिम्बाब्वे का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा।

त्रिकोणीय टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम का एलान, कॉनवे को किया गया बाहर

वेलिंगटन एजेंसी। ऑकलैंड के बल्लेबाज बेवॉन जैकब्स 15 सदस्यीय टीम में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है सलामी बल्लेबाज डेवॉन कॉनवे को अगले महीने मेजबान जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम में नहीं चुना गया है। न्यूजीलैंड के नए मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने शुक्रवार को टीम की घोषणा की। यह अनुभवी बल्लेबाज उन कई प्रमुख खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने विदेशों में पेशेवर टी20 लीग में खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ केंद्रीय अनुबंध को ठुकरा दिया था। कॉनवे ने न्यूजीलैंड की तरफ से आखिरी मैच पिछले साल जून में टी20 विश्व कप में खेला था।

पूर्व कप्तान केन विलियम्सन इंग्लैंड की काउंटी चैंपियनशिप में मिडिलसेक्स के लिए खेल रहे हैं और उन्होंने खुद को अनुपलब्ध बताया। ऑकलैंड के बल्लेबाज बेवॉन जैकब्स 15 सदस्यीय टीम में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने अभी तक कोई अंतराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। 23 वर्षीय जैकब्स दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाली न्यूजीलैंड टीम के सदस्य थे, लेकिन उन्होंने कोई मैच नहीं खेला। तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद नवंबर के बाद पहली बार टीम में शामिल किया गया है। बल्लेबाज फिन एलन और टिम सीफर्ट की भी टीम में वापसी हुई है, जिसकी कप्तानी मिशेल सेंटनर करेंगे। एलन ने हाल ही में मेजर लीग क्रिकेट में सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए 151 रन की पारी में 19 छक्के लगाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। त्रिकोणीय सीरीज 14 से 26 जुलाई तक हरारे में खेली जाएगी।

न्यूजीलैंड की टीम :- मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलेन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, जैकब डफी, जैक फाउलकेस, मैट हेनरी, बेवॉन जैकब्स, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, विल ओ रुर्के, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम सीफर्ट, ईश सोढ़ी।

इस सीरीज का पहला मैच 14 जुलाई को जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फिर 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला न्यूजीलैंड से, 18 जुलाई को जिम्बाब्वे का मुकाबला न्यूजीलैंड से, 20 जुलाई को जिम्बाब्वे का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से, 22 जुलाई को न्यूजीलैंड का मुकाबला दक्षिण अफ्रीका से और 24 जुलाई को जिम्बाब्वे का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। 26 जुलाई को अंक तालिका पर शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी।

मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय के प्रचार में जुटे एथलीट और बॉलीवुड हस्तियां

मेरठ। मेरठ के सलावा में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का प्रचार जोर पकड़ रहा है। फिल्मी हस्तियों के बाद अब पैरा एथलीट दीपा मलिक भी इससे जुड़ गई हैं। 70त्न से ज्यादा कार्य पूरा हो चुका है। सलावा में बन रहे प्रदेश के पहले खेल विश्वविद्यालय को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का 70 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और अब प्रचार-प्रसार का काम भी जोर पकड़ रहा है। फिल्म अभिनेता और एथलीट व पैरा एथलीट खेल विश्वविद्यालय के प्रचार को लेकर वीडियो जारी कर रहे हैं। जिन्हें विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विवि की नींव रखी थी और इसका निर्माण कार्य अगस्त 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और खेल मंत्री खुद इसके कार्यों की निगरानी कर चुके हैं। अब यह विवि फिल्मी सितारों और खिलाड़ियों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित कर रहा है। अभिनेता जैकी श्रॉफ, चंकी पांडे और रणदीप हुड्डा जैसे कलाकार पहले ही प्रचार से जुड़ चुके हैं। इनकी क्लिप विवि की वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं। अब पैरा एथलीट दीपा मलिक भी प्रचार अभियान से जुड़ गई हैं। दीपा मलिक ने इस खेल विश्वविद्यालय को देश की खेल प्रतिभाओं के लिए एक ÷बड़ी उपलब्धि÷ बताया है। उन्होंने कहा कि इससे लाखों युवाओं को गुणवत्तापूर्ण खेल शिक्षा मिलेगी और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। गौरतलब है कि दीपा मलिक 2016 रियो पैरालंपिक में शॉटपुट में रजत पदक जीतने वालीं भारत की पहली महिला हैं।

अविनाश साबले की नजर व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर

विश्व चैंपियनशिप में जीतना चाहते हैं पदक

नई दिल्ली एजेंसी। साबले ने कहा, पिछला साल अच्छा नहीं रहा, ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। लेकिन इस साल मैं डायमंड लीग में भाग ले रहा हूं, इसलिए (विश्व चैंपियनशिप के लिए) तैयारी अच्छी है। पिंडली की चोट के कारण एक साल तक परेशान रहे भारत के शीर्ष 3000 मीटर स्टीपलचेज़र अविनाश साबले अब पूरी तरह से फिट हैं और उनकी निगाहें सितंबर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप सहित आगामी प्रतियोगिताओं में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर करने पर टिकी हैं। एशियाई खेलों के चैंपियन साबले इस सत्र में ऊटी में अभ्यास कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण के दक्षिणी केंद्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने में जुटे हैं। साबले ने कहा, पिछला साल अच्छा नहीं रहा, ऐसा भी नहीं लग रहा था कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाऊंगा। लेकिन इस साल मैं डायमंड लीग में भाग ले रहा हूं, इसलिए (विश्व चैंपियनशिप के लिए) तैयारी अच्छी है। मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करना है, जो आठ मिनट के करीब है। अभी अभ्यास के 15 दिन बचे हुए हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि मैं आठ मिनट के करीब पहुंचने में सफल रहूंगा। यह 30 वर्षीय खिलाड़ी 2023 में एशियाई खेलों के बाद से पिंडली की चोट से जूझ रहा था। उन्होंने 2025 के अपने सत्र की शुरुआत ज़ियामेन डायमंड लीग में आठ मिनट 22.59 सेकंड (8¬22.59) सेकंड के समय के साथ की और इसके बाद शाओक्सिंग में 8¬23.85 सेकंड का समय निकाला। साबले ने मई में दक्षिण कोरिया के गुमी में एशियाई चैंपियनशिप में 8.20.92 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने कहा, तैयारियां अच्छी चल रही हैं। मैं सत्र की शुरुआत में चोटिल हो गया था। लेकिन इसके बावजूद मैंने चीन में दो डायमंड लीग स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। मैंने अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए एशियाई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। यह भारतीय खिलाड़ी पिछली विश्व चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने में असफल रहा था और अपनी हीट में सातवें

फटाफट क्रिकेट का रोमांच होगा दोगुना! आईसीसी ने प्लेइंग कंडीशन में किया बदलाव, अब इतने ओवर का होगा पावरप्ले

दुबई एजेंसी। आईसीसी के इस फैसले से टी20 क्रिकेट का रोमांच दोगुना हो सकता है। ये नियम जुलाई से लागू कर दिए जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने गुरुवार को टी20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों की घोषणा की। ये नियम उन मैचों के लिए होंगे जिनमें किसी वजह से ओवर काट लिए गए हों और पूरे 20 ओवर का खेल संभव न हो। आईसीसी ने बताया कि टी20 के लिए नए प्लेइंग कंडीशन में पावरप्ले के दौरान कितने फील्डर्स को 30 यार्ड सर्कल से बाहर रहने की अनुमति होगी। आईसीसी के इस फैसले से टी20 क्रिकेट का रोमांच दोगुना हो सकता है। ये नियम जुलाई से लागू कर दिए जाएंगे। इसके मुताबिक, अगर किसी पारी के शुरू होने से पहले ओवर घटाकर आठ ओवर का कर दिया जाता है, तो उसमें अब 2.2 ओवर का पावरप्ले होगा। पावरप्ले के दौरान 30 यार्ड सर्कल के बाहर सिर्फ दो फील्डर्स रहेंगे। पहले अगर किसी पारी में आठ ओवर का खेल कर दिया जाता था तो तीन ओवर का पावरप्ले होता था। इसी तरह नए नियम के मुताबिक, अब पांच ओवर की पारी में 1.3 ओवर का पावरप्ले होगा। आईसीसी की वेबसाइट पर तालिका में कहा गया है कि छह ओवर की पारी के लिए 1.5 ओवर पावरप्ले के होंगे, सात ओवर की पारी के लिए 2.1 ओवर पावरप्ले के होंगे, आठ ओवर की पारी के लिए 2.2 ओवर, जबकि नौ ओवर की पारी के लिए 2.4 ओवर पावरप्ले के होंगे। 10 ओवर की पारी के लिए तीन ओवर पावरप्ले के होंगे। 11 ओवर की पारी के लिए 3.2 ओवर पावरप्ले के होंगे, 12 ओवर की पारी के लिए 3.4 ओवर पावरप्ले के होंगे।

ऑस्ट्रेलिया-विंडीज टेस्ट में बवाल..

कैरी के इस कैच पर विवाद, कोच सैमी ने अंपायरों पर लगाए गंभीर आरोप

बारबाडोस एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर कैरी ने डाइव लगाकर गेंद पकड़ी और कैच की अपील की। इस पर फील्ड अंपायर्स ने फैसले को टीवी अंपायर को रेफर किया। टीवी अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद वेस्टइंडीज के विकेटकीपर बल्लेबाज शाई होप को आउट देने का फैसला किया। होप ने अपनी 48 रन की पारी में 91 गेंदें खेलीं और पांच चौके लगाए। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच बारबाडोस में खेला जा रहा टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। दो दिन के अंदर तीसरी पारी की शुरुआत हो चुकी है। पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 180 रन पर सिमट गई थी। जवाब में वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी मं 190 रन बनाए और कंगारुओं पर 10 रन की बढ़त हासिल की। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 92 रन बना लिए हैं। कंगारुओं की बढ़त 82 रन की हो चुकी है। टेस्ट में अभी तीन दिन बचे हैं और ऐसे में नतीजा आना तय माना जा रहा है। हालांकि, इस टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी के एक कैच पर विवाद हो गया है। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने अंपायरों पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाए हैं। कैरी के कैच की वजह से शाई होप को पवेलियन लौटना पड़ा। दरअसल, वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी के दौरान 72 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद कप्तान रोस्टन चेज और शाई होप के बीच साझेदारी हुई। दोनों ने संभल कर बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज को 130 रन के पार पहुंचाया। पारी के 58वें ओवर में होप जब 48 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे तो ब्यू वेबस्टर की एक गेंद होप के बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर कैरी के पास पहुंची। कैरी ने डाइव लगाकर गेंद पकड़ी और कैच की अपील की। इस पर फील्ड अंपायर्स ने फैसले को टीवी अंपायर को रेफर किया। टीवी अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद होप को आउट देने का फैसला किया। होप ने अपनी पारी में 91 गेंदें खेलीं और पांच चौके लगाए।हालांकि, सैमी को टीवी अंपायर का यह फैसला पसंद नहीं आया। उन्होंने दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, %हां, देखिए, आप खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहते जहां आप कुछ अंपायरों के बारे में सोचने लगें। क्या हमारी टीम के खिलाफ अंपायरों के मन में कुछ है? जब आप लगातार एक के बाद एक इस तरह के फैसले देखते हैं, तो यह सवाल मन में उठता है। मुझे पता है कि वह (अंपायर) इस सीरीज के लिए यहां हैं। आप नहीं चाहेंगे कि टेस्ट मैच में आपके मन में इस तरह का शक आए।% सोशल मीडिया पर भी इस कैच को लेकर जमकर विवाद हो रहा है और फैंस दो हिस्सों में बंट गए हैं। कुछ फैंस का मानना है कि गेंद विकेटकीपर कैरी के दस्तानों में जाने से पहले जमीन पर टकरा चुकी थी। हालांकि, अंपायर के पास क्लीयर एविडेंस न होने की वजह से इसे कैच आउट करार दिया गया। होप और चेज के बीच छठे विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी हुई। होप आठवें विकेट के रूप में आउट हुए। उनके आउट होते ही विंडीज की पारी 190 रन पर सिमट गई। इतना ही नहीं इस टेस्ट में कुछ और फैसलों पर भी सवाल खड़े हुए हैं।

अब इस प्रतियोगिता में भिड़ेंगे नीरज और अरशद

लाहौर एजेंसी। *नीरज दोहा में और फिर ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, पेरिस और ओस्ट्रावा में पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, इन चारों टूर्नामेंट पाकिस्तान के अरशद नदीम नहीं खेले थे। अब दोनों एक साथ इस टूर्नामेंट में खेलते दिख सकते हैं। भारत के महानतम एथलीट्स में शुमार और भाला फेंक में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा इन दिनों शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने के बाद पेरिस डायमंड लीग में जीत दर्ज की। साथ ही ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक इवेंट भी अपने नाम किया। हालांकि, पेरिस और ओस्ट्रावा में वह 90 मीटर की दूरी नहीं तय कर सके, लेकिन उनके आत्मविश्वास को जरूर बल मिला होगा। अब वह नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता में खेलते दिखेंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में भी पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम हिस्सा नहीं लेंगे। अरशद और नीरज के बीच गजब की प्रतिद्वंद्विता है और फैंस इन दोनों के बीच टक्कर का जमकर लुत्फ उठाते हैं। अब नदीम ने खुलासा किया है कि वह अगली बार किसी प्रतियोगिता में खेलते दिख सकते हैं।*

ब्रीफ न्यूज़

सीएम काफिले की गाड़ियों में भरा पानी मिला डीजल

रतलाम। रतलाम में आज शुक्रवार को रीजनल इंडस्ट्री, स्किल एंड एम्प्लॉयमेंट कॉन्क्लेव- एमपी राइज 2025 होने जा रही है। कॉन्क्लेव में सीएम डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे। सीएम के काफिले के लिए इंदौर से आई 19 इनोवा कार गुरुवार रात पेट्रोल पंप से डीजल भरवाने के बाद कुछ दूरी पर जाकर एक के बाद एक बंद हो गईं। इससे हड़कंप मच गया। गाड़ियों के टैंक खोलकर देखे गए तो उनमें डीजल के साथ पानी निकला। रात में ही अफसर मौके पर पहुंचे। पेट्रोल पंप को सील कर दिया। फिर इंदौर से दूसरी गाड़ियों का अरेंजमेंट किया। दरअसल, आज कॉन्क्लेव में सीएम के अलावा कई वीआईपी भी आएंगे। जिला प्रशासन के अधिकारी गुरुवार दिनभर से इसके लिए तैयारियों में जुटे थे। इसी के मद्देनजर पुलिस ने सीएम कारकेट का ट्रायल भी किया। रात करीब 10 बजे सीएम कारकेट की 19 इनोवा कारें शहरी सीमा के डोसीगांव स्थित भारत पेट्रोलियम के शक्ति फ्यूल्स पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाने पहुंचीं। डीजल भरवाने के बाद गाड़ियां आगे बढ़ीं तो कुछ दूर जाकर रुक गईं।

ग्वालियर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा आज

ग्वालियर। कुलैथ स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में ज्वर लीला का समापन हो गया है। गुरुवार को भक्तों के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। शुक्रवार दोपहर 3.00 बजे भगवान की रथयात्रा नगर भ्रमण के लिए निकलेगी। मंदिर के व्यवस्थापक भानू श्रीवास्तव के अनुसार, रथ 12 फीट ऊंचा और 3 फीट चौड़ा है। इसकी लंबाई 5 फीट है। भक्त रस्सियों की मदद से रथ को खींचेंगे। मंदिर में स्थापित प्रतिमाएं 178 वर्ष पुरानी हैं। मंदिर के महंत किशोरी लाल श्रीवास्तव ने बताया कि पट खुलने के बाद भगवान का पूजन किया गया। सुंदरकांड का पाठ और आरती की गई। भगवान को चावल के घट भी चढ़ाए गए। रात में रामधुन का आयोजन हुआ। मेले से पहले भगवान की मूर्ति का नया श्रृंगार किया गया। प्रशासन ने दो दिवसीय मेले की तैयारियां पूरी कर ली हैं। कलेक्टर ने मध्य प्रदेश तीर्थ स्थल एवं मेला प्राधिकरण से 10 लाख रुपए का बजट मांगा है। पिछले वर्ष मेले के लिए तीन लाख रुपए दिए गए थे। ग्वालियर सहित प्रदेशभर से बड़ी संख्या में भक्तों के आने की उम्मीद है।

एयर इंडिया ने रोकी इंदौर-दिल्ली उड़ान

इंदौर। इंदौर से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट (‌ढ्ढ 803/804) को कंपनी ने 15 जुलाई तक के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। एयर इंडिया ने इसका कारण तकनीकी समस्या और विमान मेंटेनेंस बताया है। बताया जा रहा है कि कंपनी ने हाल ही में अपने सभी एयरक्राफ्ट की जांच शुरू की है, जिसके चलते देशभर में कई उड़ानों को रोका गया है। इसका असर अब इंदौर पर भी पड़ा है। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक, एयर इंडिया की फ्लाइट्‌ढ्ढ 803 दिल्ली से शाम 6.40 बजे रवाना होकर रात 8.15 बजे इंदौर आती थी। इसके बाद‌ढ्ढ 804 रात 10.25 बजे इंदौर से दिल्ली के लिए उड़ान भरती थी और रात 12.25 बजे दिल्ली पहुंचती थी। इन दोनों फ्लाइट्स का आखिरी संचालन 20 जून को हुआ था। इसके बाद 21 जून से इन्हें स्थगित कर दिया गया है।

इंदौर में लगेगी 52 फीट ऊंची स्वामी विवेंकानंद की प्रतिमा

इंदौर। इंदौर शहर में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 25 फीट ऊंची प्रतिमा लगाई जाएगी। अष्टधातु से बनने वाली यह प्रतिमा अन्नपूर्णा-सुदामा नगर लिंक रोड पर स्थापित की जाएगी। नगर निगम इसके निर्माण पर लगभग एक करोड़ रुपए खर्च करेगा। पूरी परियोजना को एक साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण और तिराहा विकसित करने पर भी करीब एक करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस प्रतिमा के निर्माण में 6 से 8 मिमी मोटी शीट मेटल का उपयोग होगा, जिसे आंतरिक स्टील फ्रेम से मजबूती दी जाएगी, ताकि यह तेज हवा और अन्य प्राकृतिक दबावों को सह सके। नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार, इस कार्य में प्रतिमा का छोटा स्केल मॉडल, डिज़ाइन और सैंपल फिनिश प्रशासन की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे। परियोजना के तहत प्रतिमा स्थल का सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। यह प्रतिमा तिकोने तिराहे पर लगाई जाएगी, जिसके चारों ओर जाली से घेराव, बोलार्ड और हरियाली विकसित की जाएगी।

मोदी सरकार की कार्रवाई से बचने तानाशाही के आरोप लगा रहा विपक्ष

आपातकाल लगाना एक ऐतिहासिक गलती थी, इसे याद रखें युवा -डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को नगर निगम सभागार (आईएसबीटी) में युवा मोर्चा द्वारा आयोजित “युवा संसद” कार्यक्रम को किया संबोधित

-लोकतंत्र है, इसलिए चाय वाला पीएम और गाय वाला सीएम बन सकता है

-संविधान के नाम पर नकली किताबें लहराकर देश को धोखा दे रही कांग्रेस

-राजनीति को परिवारवाद से मुक्त करने आगे आएं युवा

जेपी आंदोलन में रही थी युवाओं की सक्रिय भूमिका - श्री विष्णुदत्त शर्मा

नगर संवाददाता

भोपाल, । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी श्री रोहित चहल एवं युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने शुक्रवार को नगर निगम सभागार, आईएसबीटी में युवा संसद कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विपक्ष अपने पापों को छिपाने के लिए सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाता है, जबकि अटलजी से लेकर श्री नरेंद्र मोदी जी तक भाजपा की सरकारों ने लोकतंत्र को पुष्ट करने का काम किया है। देश में लोकतंत्र है, इसीलिए एक चाय वाला प्रधानमंत्री और गाय वाला मुख्यमंत्री बन सकता है। इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाना एक ऐतिहासिक गलती थी, आज के युवा इसे याद रखें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आपातकाल लगाकर इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र को अपमानित किया था, तो आज की कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी संविधान लिखी नकली किताबें लहराकर देश को धोखा दे रहे हैं। देश के लिए सबसे बड़ा खतरा वंशवाद है और यह तभी खत्म होगा जब साधारण घरों एवं परिवारों से ईमानदार और देशभक्त युवा राजनीति में आगे आएंगे। युवा संसद को युवा मोर्चे के प्रदेश प्रभारी श्री रोहित चहल एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री वैभव पंवार ने भी संबोधित किया। कुर्सी बचाने इंदिरा गांधी ने किया संविधान की हत्या का पाप- डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने गलत तरीके से चुनाव जीता था। उस चुनाव में राज नारायण हार गए थे और उन्होंने हाईकोर्ट में पिटीशन दायर की। तीन साल तक सुनवाई चली और राजनारायण जी ने हाईकोई में ये सिद्ध किया कि इंदिरा गांधी ने गलत तरीके से और शासन-प्रशासन का दुरूपयोग कर चुनाव जीता है। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जो शिकायत की गई है, वह सही है और इंदिरा गांधी का निर्वाचन अवैध है। बाबा साहब अंबेडकर जी ने संविधान बनाते समय कहा था कि संविधान में सब कुछ है, बस इसका पालन करना जरूरी है। अगर संविधान का लागू करने वाले ही करप्ट हो जाएंगे तो फिर देश का लोकतंत्र कहां जायेगा? 12 जून को तो हाईकोर्ट का फैसला आया और 25 जून तक पूरे देश में आंदोलन होने लगे। हाईकोर्ट के फैसले को लागू करने में कितनी देर लगानी चाहिए? लेकिन इंदिरा गांधी ने न्यायलय का आदेश को न मानते हुए पूरे देश में अपातकाल लगा दिया। हमारे देश में संघीय शासन व्यवस्था है और अगर दो तिहाई राज्य सरकारें प्रस्ताव भेजती हैं, तभी इमरजेंसी लगाई जा सकती है। लेकिन किसी भी राज्य सरकार ने कोई प्रस्ताव नहीं भेजा। कैबिनेट की बैठक भी नहीं बुलाई। बस, राष्ट्रपति से हस्ताक्षर करा कर देश पर आपातकाल थोपा दिया था। इस तरह इंदिरा गांधी और कांग्रेस ने संविधान की हत्या करने का पाप किया था।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष का फैसला हफ्ते भर में

6 महीने से अटका था चुनाव; एक-दो जुलाई को भोपाल आ सकते हैं प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान

नगर संवाददाता

भोपाल। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव को लेकर पिछले छह महीने से बना असमंजस अब दूर होने जा रहा है। अगले महीने में एमपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होगा। एक-दो जुलाई को मप्र बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान भोपाल आएंगे। प्रधान के भोपाल आने की तारीख अभी तय नहीं हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर बीजेपी के केन्द्रीय चुनाव अधिकारी की ओर से आज या कल जारी हो सकता है। चुनाव कार्यक्रम में उम्मीदवार के नामांकन दाखिल करने, स्क्रूटनी और नाम वापसी के साथ ही निर्वाचन की घोषणा का पूरा शेड्यूल घोषित होगा। सूत्र बताते हैं कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर सहमति नहीं बन पाने के कारण चुनाव टल रहा था। इस बीच पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी परिस्थितियों के कारण चुनाव प्रक्रिया अघोषित तौर पर आगे बढ़ गई। लेकिन अब हालात सामान्य होने के बाद संगठन चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। ऐसे में मप्र के प्रदेश अध्यक्ष बनने की आस लगाए बैठे दावेदारों ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों की रेस में बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल सबसे मजबूत नेता हैं। खंडेलवाल को सीएम डॉ मोहन यादव के साथ संघ की ओर से भी ग्रीन सिग्नल है। ऐसे में खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे हैं। वीडी शर्मा की जगह यदि ब्राह्मण पर फिर से पार्टी दांव लगाती है तो पूर्व गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा सबसे मुख्य ब्राह्मण दावेदार हैं। नरोत्तम के अलावा विधायक और पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा, सांसद आलोक शर्मा और, जबलपुर आशीष दुबे भी इस रेस में शामिल हैं। डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल भी प्रदेश अध्यक्ष बनने के लिए अंदरखाने तेजी से प्रयास कर रहे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में दिए गए बयान के बाद से मप्र में राजनीति अंबेडकर के आसपास ही घूम रही है। ग्वालियर हाईकोर्ट परिसर में अंबेडकर प्रतिमा विवाद के कारण दलित-आदिवासी वर्ग में नाराजगी का माहौल है। ऐसे में दलित या आदिवासी वर्ग के नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जा सकता है। आदिवासी नेताओं में खरगोन सांसद गजेंद्र सिंह पटेल सबसे अहम दावेदार हैं। मंडला सांसद और पूर्व केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक कुंवर सिंह टेकाम और राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी प्रदेश अध्यक्ष के दावेदारों में शुमार हैं। 2006 से लेकर 2020 यानी मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष के पहले तक ठाकुर नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष में प्रमुखता मिलती रही है। चुनावों में बीजेपी को अपेक्षित परिणाम भी मिले।

लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

नगर संवाददाता

भोपाल। लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की आत्मा और पहचान है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सीएम ने इस अवसर पर घोषणा की कि 70 साल से अधिक आयु के सभी लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड के जरिए सरकार निश्शुल्क इलाज मुहैया कराएगी। पीएम एयर एम्बुलेंस सुविधा में भी उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। उद्योग एवं रोजगार के क्षेत्र में पात्रता के आधार पर लोकतंत्र सेनानियों के परिजनों को सभी सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता से लाभ दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोकतंत्र सेनानियों और उनके परिजन के कल्याण के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। इस दौरान सीएम यादव और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मीसा पत्रिका और पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा आपातकाल के दौरान लिखे पत्रों, विचारों, आलेखों से जुड़े संस्मरणों पर आधारित पुस्तक इमरजेंसी डायरी का विमोचन भी किया।

विंध्य क्षेत्र में हवाई सेवाओं के विस्तार के लिए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल और एलायंस एयर के अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक

नगर संवाददाता

भोपाल, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से दिल्ली में एलायंस एयर के चेयरमैन श्री अमित कुमार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजर्षी सेन ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर विंध्य क्षेत्र सहित मध्यप्रदेश में हवाई सेवाओं के विस्तार एवं संचालन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा, सतना और विंध्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण नगरों में एयर कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हवाई सेवाएं आमजन के लिए सुलभ और सस्ती बनाई जा रही हैं, और मध्यप्रदेश सरकार इस दिशा में हरसंभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने एलायंस एयर को रीवा एवं विंध्य क्षेत्र की आर्थिक, औद्योगिक और सांस्कृतिक विशेषताओं की जानकारी दी और कहा कि यहां एयर कनेक्टिविटी बढ़ने से पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं निवेश के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति होगी। बैठक में रीवा से महानगरों के लिए सीधी उड़ानों की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की

नगर संवाददाता

भोपाल उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वाराणसी प्रवास के दौरान बाबा विश्वनाथ के दर्शन और विधिवत पूजन किया। उन्होंने बाबा से प्रदेशवासियों के कल्याण, समृद्धि तथा लोकमंगल की प्रार्थना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि काशी विश्वनाथ महादेव केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का केंद्र हैं। काशी में आकर दिव्यता, भव्यता और अलौकिक अनुभूति होती है। प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जगदुरु संतोष दास जी महाराज ‘सतुआ बाबा’ का आत्मीय सान्निध्य प्राप्त किया।

कारोबारी ने नाबालिग पर शराब डाली-रुपए उड़ाए, फिर किया दुष्कर्म

भोपाल गैंगरेप मामले में खुलासा इवेंट मैनेजर महिला ने ली थी मोटी रकम

नगर संवाददाता

भोपाल। भोपाल में 15 साल की लड़की के साथ रेप के मामले में मुख्य आरोपी रिया उर्फ रितु यादव ने कई खुलासे किए हैं। इवेंट मैनेजर रिया ने पुलिस पूछताछ में बताया है कि बैरागढ़ के कपड़ा और जूता कारोबारी मुकेश बालचंदानी ने नाबालिग के साथ पूल पार्टी में रेप किया था। इसके बाद रिया के घर शराब पार्टी हुई। इसमें मुकेश ने पीड़िता पर डांस करने का दबाव बनाया। उसके शरीर पर शराब डाली, फिर जबरन पिलाई। डांस पर हजारों रुपए उड़ाए। फिर उसके साथ रेप किया। रिया ने बताया कि घटना 20-21 जून की दरमियानी रात की है। पार्टी के बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ी, तब रिया घबरा गई। वह नाबालिग को उसके घर भेजना चाहती थी लेकिन तबीयत खराब होने के कारण ऐसा नहीं किया। रिया को डर था कि मुकेश ने लड़की के साथ गलत काम किया है, ऐसी हालत में वह घर पहुंची तो परिजन को संदेह हो जाएगा। बात पुलिस तक जाएगी और रिया को जेल जाना पड़ेगा। लिहाजा उसने लड़की को अपने ही घर में रखा। नाबालिग से संबंध बनाने के एवज में रिया को मोटी रकम मिली थी। रिया पर आरोप है कि 19 जून को उसने नाबालिग को बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर

बुलाया। वहां उसे युवकों के हवाले कर दिया। अगले दिन एक फार्महाउस में पूल पार्टी में ले जाकर पीड़िता को जूस में नशीला पदार्थ पिलाया। वहां भी उसका यौन शोषण किया गया। इसी दिन रिया के घर शराब पार्टी में मुकेश बालचंदानी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। मामले में दो महिलाओं समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एक आरोपी माही फरार है। रिया दो साल से इवेंट मैनेजमेंट का काम कर रही है। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में बताया- मैं रिया दीदी, उनके बॉयफ्रेंड नावेद को पहले से जानती हूं। 19 जून को रिया दीदी ने मुझे बीमारी का बहाना बनाकर अपने घर करोंद बुलाया। जब मैं वहां पहुंची तो जहांगीराबाद निवासी हनीफ शाह पहले से मौजूद था। उसने जोर-जबरदस्ती कर मेरे शरीर पर इत्र लगाया। मैं होश खोने लगी। पीड़िता ने बताया- 20 जून को रिया दीदी मुझे खजूरी सड़क इलाके के एक फार्महाउस ‘चॉइस विला’ ले गई। वहां पूल पार्टी चल रही थी। यहां उन्होंने मुझे जूस में शराब मिलाकर पिलाई। थोड़ी देर बाद मुझे पेट दर्द और उल्टी हुई तो रिया दीदी ने एक कमरे में सुला दिया। रात में जब आंख खुली तो मेरे आधे कपड़े उतरे हुए थे। रिया कमरे में अपनी दोस्त माही के साथ बैठी थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया- 21 जून को जब रिया दीदी ब्यूटी पार्लर गई तो मैंने मौका देखकर अपनी मां को इंस्टाग्राम पर कॉल किया। मां फौरन पुलिस को लेकर ब्यूटी पार्लर पहुंची और मुझे छुड़ाया।

वृक्षारोपण, ट्री-शिफ्टिंग, रिचार्ज बोर और लोक कल्याण सरोवर से तय हो रही पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा

लोक निर्माण विभाग हरियाली और जल संरक्षण पर चलाएगा व्यापक अभियान

नगर संवाददाता

भोपाल लोक निर्माण विभाग अब निर्माण कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन की दिशा में प्रभावी प्रयास कर रहा है। विभाग द्वारा आगामी 1 जुलाई 2025 को ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत एक लाख पौधे रोपने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम स्कूलों में संचालित ‘एक पेड़ माँ के नाम 2.0’ अभियान से भी समन्वित रहेगा। विभाग ने अभियंताओं को वृक्षारोपण स्थलों की पहचान, पौधों की उपयुक्त प्रजातियों के चयन तथा जिम्मेदारियों के निर्धारण के निर्देश दिए हैं। विभाग ने हरियाली को संरक्षित करने के लिए पेड़ों के स्थानांतरण यानि ट्री-शिफ्टिंग की नीति को अपनी दर सूची एसओआर में शामिल किया है। इसके तहत निर्माण कार्यों के दौरान पेड़ों को काटने के

बजाय सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जा रहा है। भोजपुर-बंगरसिया मार्ग के 4 लेन चौड़ीकरण कार्य में 450 से अधिक पेड़ों को शिफ्ट किया जाएगा। अन्य निर्माण परियोजनाओं में भी इस नीति को अपनाया जा रहा है, जिससे हरियाली को संरक्षित रखा जा सके। जल संरक्षण की दिशा में विभाग द्वारा सड़क किनारे रिचार्ज बोर के निर्माण की योजना भी लागू की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य वर्षा जल को सीधे भूगर्भ में पहुंचाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज को बढ़ावा देना है। एलिवेटेड कॉरिडोर सहित सभी वर्तमान और निर्माणाधीन फ्लाईओवर एवं आरओबी में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था अनिवार्य की गई है, जिससे वर्षा जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। विभाग द्वारा ‘लोक कल्याण सरोवर’ योजना के अंतर्गत जल संरक्षण को नई दिशा दी जा रही है। सड़क निर्माण में उपयोग की गई मिट्टी के खुदाई स्थलों को स्थायी जल संरचनाओं में बदला जा रहा है। इन सरोवरों को वैज्ञानिक तरीके से डिजाइन किया जा रहा है, साथ ही सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, सूचना पटल की स्थापना और जियो-टैगिंग जैसी व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जा रही हैं। विभाग ने 500 लोक कल्याण सरोवरों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। पर्यावरणीय दृष्टिकोण से एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए लोक निर्माण विभाग ने हरित भवनों के निर्माण की दिशा में भी कदम बढ़ाए हैं। अब विभागीय भवनों में ऊर्जा दक्ष डिज़ाइन, पर्यावरण अनुकूल निर्माण सामग्री के उपयोग को अनिवार्य बनाया जा रहा है इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भवनों की दीर्घकालिक परिचालन लागत में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।इन समस्त पहलों से यह स्पष्ट है कि लोक निर्माण विभाग न केवल प्रदेश में सड़कों और भवनों का निर्माण कर रहा है, बल्कि पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 जून को रहेंगे निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर के प्रवास पर

मुख्यमंत्री पृथ्वीपुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में निभाएंगे सहभागिता

नवनीत एक्सप्रेस रिपोर्टर पुष्पेंद्र कुशवाहा/निवाड़ी

निवाड़ी।।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 जून 2025 को निवाड़ी जिले के प्रवास पर रहेंगे। प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पृथ्वीपुर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा का अनावरण करेंगे । जिला प्रशासन की प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पृथ्वीपुर में आयोजित देवी अहिल्याबाई नारी शक्ति सम्मेलन में भी सहभागिता निभाएंगे इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न निर्माण कार्यों एवं विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी करेंगे।

स्वत्वाधिकार, स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक महेन्द्र तिवारी द्वारा तिवारी आर्ट्स हाउस नं. 59, जी-सैक्टर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, अयोध्या नगर भोपाल से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रबंधक संपादक धैर्यवर्धन शर्मा
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।, मो. 9074692488, 9340719851. Email - navneet.expresss33@.com पीआर.बी. एक्ट के तहत खबरों के लिये जिम्मेदार- RNI-MPHIN/2016/71355